राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर जिला – सरगुजा (छ.ग.)

हिन्दी विभाग

सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

एम.ए.हिन्दी

सत्र– 2023–24

(प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर)

(सी.बी.सी.एस. पर आधारित पाठ्यक्रम)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ.ग.)

हिन्दी विभाग

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सत्र 23–24

(सी.बी.सी.एस. पर आधारित पाठ्यक्रम)

एम. ए. हिन्दी में चार सेमेस्टर होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में पाँच प्रश्न–पत्र होंगे। प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में प्रत्येक प्रश्न पत्र 70 अंकों का होगा । प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 अंको का आंतरिक मूल्यांकन 10 अंको का सेमीनार एवं 10 अंको का एसाइन्मेंट (Assignment) होगा । इस प्रकार प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 70+30: 100 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र की सैद्धांतिक एवं आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में पृथक–पृथक न्यूनतम उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत है ।

Programme Outcome

स्नातकोत्तर हिन्दी

स्नातकोत्तर हिन्दी के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगे

PO–01– विद्यार्थी शैक्षणिक जगत से जुड़ेंगे तथा उसमें अपना योगदान देने योग्य बन सकेंगे।

PO-02 विद्यार्थियों में भाषा कम्प्यूटिंग में दक्षता होगी तथा रोजगार प्राप्ति के अवसर प्राप्त होंगे।

PO–03 विद्यार्थियों में संवाद कौशल की क्षमता विकसित होगी।

PO–04 विद्यार्थियों में साहित्य अध्ययन से संवेदनशीलता एवं मानवीय गुणों का विकास होगा।

PO–05– विद्यार्थियों में उच्च अध्ययन एवं शोध कार्य के प्रति रुचि जागृत होगी जिससे शोध के नये आयाम विकसित होंगे।

PO–06 विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता मिल सकेगी ।

PO–07– प्रत्येक स्तर पर जीवन मूल्यों और साहित्यिक मूल्यों का निर्धारण करने की क्षमता और ज्ञान का विकास करना।

PO–08 लेखन वाचन और श्रवण के साथ–साथ कल्पना शक्ति का विकसित होगी जिससे कि उसके व्यक्तित्व में निखार होगा।

PO–09– विद्यार्थियों में समाज के सभी वर्गों के प्रति जातीय समरसता, लैंगिक संवेदनशीलता और धार्मिक सहिष्णुता का विकास होगा।

PO–10 विद्यार्थियों में मीडिया लेखन की समझ विकसित हो सकेगी।

Programme Specfic Outcome

स्नातकोत्तर हिन्दी

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

PO–01–साहित्य के आधार बिंदुओं की जानकारी देना जिससे साहित्य के सम्बंध में एक स्पष्ट समझ विकसित हो सके।

PO- 02 हिन्दी साहित्य और भाषा का व्यवस्थित एवं तर्क संगत ज्ञान कराना जिससे उसके सैद्धांतिक पक्ष और साहित्यिक विकास के संबंध में पर्याप्त जानकारी मिल सके।

PO–03 साहित्य की विभिन्न विधाओं को पढ़ने और समझने की योग्यता का विकास करना।

PO–04 साहित्य लेखन की विविध शैली और समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना।

PO–05– स्थानीय राष्ट्रीय और वैश्विक सांस्कृतिकता के वृहद संजाल के बारे में जानकारी देना जिससे साहित्यिक मूल्यांकन की योग्यता विकसित हो सके।

PO–06 आधुनिक संदर्भ में तकनीको संसाधनों को इस्तेमाल करते हुए हिन्दी साहित्य की जानकारी देना।

PO–07– प्रत्येक स्तर पर जीवन मूल्यों और साहित्यिक मूल्यों का निर्धारण करने की क्षमता और ज्ञान का विकास करना।

PO–08 लेखन वाचन और श्रवण के साथ–साथ कल्पना शक्ति का विकास करना जिससे कि उसके समय व्यक्तित्व में निखार आ सके।

PO–09–साहित्य के अध्ययन के पश्चात रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान करते हुए रोजगार के नये मार्ग तलाशना ।

PO–10 वर्तमान युग सूचना क्रांति का युग है इसी परिप्रेक्ष्य में हिन्दी साहित्य लेखन और अनुवाद का मंच प्रदान करना जिसका उपयोग कर जनसंचार से लेकर व्यक्तित्व विकास हो सके।

PO–11 देश के साहित्यिक सांस्कृतिक और भाषायी विविधता को जानने के प्रति जागरूकता पैदा करना।

DEPARTMENT OF HINDI

M.A. in Hindi

FACULTY OF ARTS

- FIRST SEMESTER (ODD SEMESTER)

Eligibility Criteria(Qualifying Exams)	Course Code	Course Type	Course(Paper/ Subjects)	Credits	Contact Hourse per Week			EoSE Duration(Hrs.)	
					L	T	P	Thy	P
Bachelor Degree in the concerned subject / discipline	HND 101	CCC	हिन्दी साहित्य का इतिहास	06	4	3	00	3	00
	HND 102	CCC	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	06	4	3	00	3	00
	HND 103	CCC	हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान	06	4	3	00	3	00
	HND 221	PRJ/EST/FST	समाजिक अधिगम और कौशल विकास	06	4	3	00	3	00
	HND A 01	ECC/CB	भारतीय राजनैतिक व्यवस्था एवं संवैधानिकता	06	4	3	00	3	00
	HND 02	ECC/CB	संत कवि कबीरदास						
	HND A 03	ECC/CB	भक्तकवि सूरदास						
	HND A 04	ECC/CB	महाकवि तुलसीदास						
	HND A 05	ECC/CB	महाकवि जयशंकर प्रसाद						
	HND A 06	ECC/CB	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल						
	MINIMUM CREDIS IN INDIVIDUAL SUBJECT IS 6 AND IN COMPLETE SEMESTE IT WOULD BE 30			TOTAL = 30					

M-A- Semester- I

Paper- I

हिन्दी साहित्य का इतिहास

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगे–

CO-01– आदिकाल से आधुनिक काल तक के सामाजिक सांस्कृतिक व राजनीतिक सदर्भों को समझ सकेंगे।

CO-02– हिन्दी साहित्य के विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।

CO-03– आदिकाल से अब तक के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

CO-04– राजनीतिक, सांस्कृतिक आंदोलनों एवं उनके साहित्यिक रूपांतरण के सम्बंध में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO-05– हिन्दी के भावगत भाषागत और शिल्पगत विकास से परिचित हो सकेंगे।

CO-06– ब्रज भाषा अवधी भाषा आदि से खड़ी बोली के काव्य भाषा बनने और निखरने के इतिहास से परिचित हो सकेंगे।

CO-07 राष्ट्रीय नवजागरण के परिदृश्य से अवगत हो सकेंगे।

CO 08– आलोचनात्मक एवं तुलनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।

CO-09 हिन्दी आलोचकों के परिचय द्वारा राष्ट्रीय एकात्मभाव का विकास एवं हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार्यता की पहचान होगी।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓								
PO2						✓			✓
PO3	✓	✓		✓		✓		✓	
PO4	✓		✓	✓			✓		✓
PO5	✓			✓			✓	✓	✓
PO6		✓				✓	✓		
PO7	✓		✓	✓			✓		✓
PO8	✓			✓		✓	✓		
PO9	✓		✓	✓			✓		✓

PO10									
PO11									

M-A- Semester-1

Paper-1

COURSE **CODE: HND 101** **COURSE TYPE : CCC**	
COURSE TITLE हिन्दी साहित्य का इतिहास	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30 PRACTICAL**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL**
UNIT 1 18 HOURS	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा आधारभूत सामग्री काल विभाजन एवं नामकरण आदिकालीन साहित्यिक परंपराएँ सिद्ध नाथ एवं जैन साहित्य रासो काव्य परंपरा एवं रासो ग्रंथों की प्रामाणिकता विद्यापति और उनकी पदावली, आदिकालीन हिंदी साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
UNIT 2 18 HOURS	भक्ति काल (पूर्व मध्यकाल) की ऐतिहासिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भक्ति आंदोलन और लोक जागरण, प्रमुख निर्गुण संत निर्गुण भक्ति की मुख्य धाराएँ निर्गुण भक्ति साहित्य की सामान्य विशेषताएँ प्रमुख सगुण भक्त कवि एवं उनकी रचनाएँ सगुण भक्ति की मुख्य धाराऐं सगुण भक्ति साहित्य की सामान्य विशेषताएं। भारत में सूफी मत का उदय और विकास हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएँ ।
Q	रीतिकाल (उत्तर मध्य काल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि प्रमुख रीतिकालीन कवि, रीतिसिद्ध रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा और रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ ।
UNIT 418 HOURS	1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिंदी क्षेत्र का नवजागरण भारतेंदु और उनक 19 वी शताब्दी की प्रमुख हिंदी पत्र–पत्रिकाएँ. भारतेंदुकालीन साहित्य की विशेषताएँ महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग सरस्वती और हिंदी नवजागरण द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा। हिंदी में गद्य विधाओं का उदय और विकास उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध एवंआलोचना । हिन्दी के प्रमुख आलोचक– रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा एवं नामवर सिंह।
UNIT 5 18 HOURS	छायावाद की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख छायावादी कवि प्रगतिशील साहित्य की प्रवृत्तियों प्रमुख प्रगतिशील साहित्य प्रयोगवाद और नई कविता। नई कविता नई कहानी, कहानी आंदोलन।
	1. हिंदी साहित्य का इतिहास– रामचंद शुक्ल

अनुशंसित ग्रंथ	2. हिंदी साहित्य का इतिहास –संपादक डॉ. नगेन्द्र 3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास– डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त 4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह 5. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ – डॉ गोविंद राम शर्मा 6. आधुनिक साहित्य का इतिहास– डॉ. बच्चन सिंह 7. हिंदी साहित्य की भूमिका– डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी 8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. रामकुमार वर्मा 9. हिंदी साहित्य एक परिचय –डॉ. त्रिभुवन सिंह 10. हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ – डॉ कैलाश चंद भाटिया 11. हिंदी साहित्य का इतिहास नये विचार नई दिशाएँ –डॉ. सुरेश कुमार जैन 12. संत साहित्य की समझ–डॉ नन्द किशोर पाण्डेय 13. हिंदी साहित्य बीसवी शताब्दी– नंददुलारे वाजपेयी 14. साहित्य और इतिहास दृष्टि– डॉ. मैनेजर पाण्डेय – 15. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की समीक्षा– डॉ. राजकुमार **उपाध्याय 'मणि'** 16. हिंदी साहित्य उद्‌भव और विकास द्विवेदी –डॉ. हजारी प्रसाद 17. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास –डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी 18. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय 19. इतिहास और आलोचना – डॉ. नामवर सिंह 20. आधुनिक हिंदी साहित्य विविध आयाम – डॉ. रामचंद्र तिवारी 21. हिंदी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचंद्र तिवारी 22. हिन्दी आलोचना का इतिहास – डॉ. रामदरश मिश्र 23. हिन्दी आलोचना का विकास – नदंकिशोर नवल
	अकं विभाजनः– 1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 X 1 = 10 अंक 2– अति लघुत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) 3 X 3 = 9 अंक 3– लघुत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) 3 X 6 = 18 अंक 4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) 3 X 11 = 33 अंक

M-A- Semester-1

Paper II

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगे–

CO-01- हिन्दी को आदिकालीन भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन का प्रवृत्तियों में परिचित होंगे।

CO-02- तत्कालीन प्रमुख कवियों तथा उनकी कृतियों से परिचित होगे।

CO- 03–कवियों द्वारा अपनाये गए काव्य के विभिन्न स्वरूपों का ज्ञान समझ शक्ति में वृद्धि होगी।

CO-04- प्रमुख कवियों विद्यापति, कबीर जायसी सूरदास तुलसीदास आदि। के काव्य के संबंध में समालोचनात्मक समझ में वृद्धि होगी।

CO-05- विभिन्न कवियों के साहित्यिक गुणों की तुलनात्मक समझ विकसित होगी और समालोचनात्मक मूल्यांकन कर साहित्य में स्थान निरूपित कर सकेंगे।

CO-06- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के नवाचारात्मक अध्ययन नवीनतम शोध दृष्टि के साथ शोध प्रवृत्ति में दक्ष हो सकेंगे।

CO-07- अन्यायपूर्ण मानवीय प्रवृत्तियों के विरुद्ध बड़े होने हेतु राजनैतिकएवं सामाजिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी।

CO-08- प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों की काव्यकला से परिचित हो सकेंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1						✓	✓		
PO2									
PO3				✓	✓			✓	
PO4					✓	✓	✓		
PO5						✓			
PO6	✓	✓				✓			
PO7					✓		✓		
PO8				✓	✓	✓			
PO9				✓			✓		
PO10									
PO11									

M-A- Semester-1

Paper II

COURSE **COURSE TYPE : CCC**	**CODE: HND 201**
COURSE TITLE प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30 PRACTICAL**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL**
UNIT 1 18 HOURS	पदावलीःविद्यापति(संपादक–शिवप्रसाद सिंह) 25 पद, पद संख्या – 8,10,11,12,14,15,16,19,26,30,48,52,57,58,60,61,62,79,80,82,83,91,93,97,102
UNIT-2 18 HOURS	कबीर ग्रंथावली (सं.श्यामसुंदरदास) 10 पद – 2, 3, 11, 18, 24, 39,40,41,44,51, साखी– 1. गुरूदेव कौ अंग : 1–5, 2. सुमिरन कौ अंग : 1–5, 3. ज्ञान विरह कौ अंग :1–5, 4. परचा कौ अंग : 1–5
UNIT-3 18 HOURS	पद्मावत : जायसी (सं. रामचन्द्र शुक्ल नागमती वियोग वर्णन)
UNIT-4 18 HOURS	भ्रमरगीतसार : सूरदास (सं. रामचंद्र शुक्ल) पद स. – 7,8,23,25,34,38,41,42,52
UNIT-5 18 HOURS	रामचरितमानस : तुलसीदास (गीताप्रेस संस्करण) बालकांड (प्रारंभ से 20 दोहे तक) अयोध्याकांड 272 से 292 दोहे तक

अनुशंसित ग्रंथ	1. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी 2. कबीर साहित्य की परख परशुराम चतुर्वेदी 3. कबीर : एक विवेचन डॉ सरनाम सिंह शर्मा 4. कबीर एक अनुशीलन – डॉ रामकुमार वर्मा 5. तुलसीदास साहित्य में नीति, भक्ति और दर्शन 1 डॉ हरिश्चंद्र 6. तुलसी का काव्य सौंदर्य डॉ राममूर्ति त्रिपाठी 7. तुलसी का मानस – मुंशीराम शर्मा 8. गोस्वामी तुलसीदास – आ. रामचंद्र शुक्ल 9. तुलसी काव्य दर्शन –डॉ. रामलाल सिंह 10. तुलसी साहित्य सुधा – डॉ. भागीरथ मिश्र 11. तुलसीदास : वस्तु और शिल्प –डॉ आनंदप्रकाश दीक्षित 12. विनयपत्रिकाः एक मूल्यांकन – डॉ हरिश्चंद्र शर्मा 13. मध्ययुगीन काव्य प्रतिभाएँ – रामकली सराफ 14. हिंदी साहित्य का इतिहास– आ. रामचंद्र शुक्ल 15. हिंदी साहित्य का इतिहास संपादक –: डॉ. नगेन्द्र 16. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त 17. संस्कृति के चार अध्याय –रामधारी सिंह 'दिनकर' 18. पूर्व मध्यकालीन भारत का सामंती समाज और संस्कृति –रामशरण शर्मा 19. संत साहित्य की समझ– नंद किशोर पांडेय 20. कबीर कवि साधक और समाजसुधारक– डॉ. राधेश्याम दुबे, डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी, डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 X 1 = 10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) 3 X 3 = 9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न / व्याख्या (शब्द सीमा 200 से 250) 3 X 6 = 18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) 3 X 11 = 33 अंक

M-A- Semester - 1

Paper - III

हिन्दी भाषा एव भाषा विज्ञान

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO–01 हिन्दी भाषा के उदभव एवं विकासक्रम से परिचित हो सकेंगे।

CO–02 हिन्दी भाषा के विविध रूपों की जानकारी से परिचित होंगे।

CO–03– साहित्य के अध्ययन से भाषा विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट कर सकेंगे।

CO–04– भाषा विज्ञान के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं से अवगत होंगे।

CO–05– भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकासक्रम से परिचित होंगे।

CO–06– भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत होंगे।

CO–07–देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।

CO–08 हिन्दी के शब्द–भेदों के विकासक्रम से अवगत होंगे।

CO–09 हिन्दी के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित होंगे।

CO–10– हिन्दी भाषा की विभिन्न बोलियों एवं उनके स्वरूपों से अवगत हो सकेंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓								
PO2	✓	✓					✓		
PO3	✓			✓		✓	✓		✓
PO4			✓						
PO5									
PO6						✓	✓	✓	✓
PO7									
PO8									
PO9									
PO10							✓		
PO11									

Paper - III

COURSE TITLE हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान	
CREDIT: **THEORY: 6** **PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30 PRACTICAL**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL**
UNIT- 1 18 HOURS	भाषाः परिभाषा, तत्व, अंग, प्रकृति और विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, भाषा विज्ञान की प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ, भाषाविज्ञान की प्रमुख शाखाएँ (समाज भाषाविज्ञान, शैली विज्ञान और कोशविज्ञान का सामान्य परिचय) ।
UNIT -2 18 HOURS	स्वनिम विज्ञान परिभाषा, स्वन, स्वन और स्वनिम, स्वनयंत्र और स्वन उत्पादन प्रक्रिया, स्वन – भेद, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, स्वनिम के भेद एवं स्वनिम वितरण के सिद्धांत।
UNIT -3 18 HOURS	रूपिम विज्ञान– शब्द और रूप (पद), संबंध तत्व और अर्थ तत्व, रूपिम और स्वनिम का स्वरूप, रूपिमों का वर्गीकरण वाक्य विज्ञान, वाक्य की परिभाषा, संरचना, निकटस्थ अवयव, वाक्य के प्रकार वाक्य परिवर्तन –कारणएवं दिशाएँ ।
UNIT -4 18 HOURS	अर्थ विज्ञान शब्दार्थ संबंध, विवेचन, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ। प्राचीन, – मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण ।
UNIT -5 18 HOURS	हिंदी भाषा का विकास, अवधी, ब्रज एवं खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएं और साहित्यिक विकास । राष्ट्रभाषा राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी। देवनागरी लिपि की सामान्य विशेषताएँ । हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण ।

अनुशंसित ग्रंथ	1. भाषा विज्ञान –डॉ भोलानाथ तिवारी 2. भाषा विज्ञान –डॉ राजमल बोरा 3. भाषा विज्ञान की भूमिका –: सैद्धांतिक विवेचन 4. भाषा विज्ञान के सिद्धांत – डॉ त्रिलोचन पाण्डेय 5. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा –द्वारिका प्रसाद सक्सेना 6. राजभाषा हिंदीः प्रचलन और प्रसार– डॉ रामेश्वर प्रसाद 7. नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी– अनंत चौधरी 8. आर्यभाषा परिवार – रामविलास शर्मा 9. भारतीय आर्यभाषाएँ और हिंदी – सुनीति कुमार चटर्जी 10. हिंदी भाषा का इतिहास –धीरेंद्र वर्मा 11. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास –उदय नारायण तिवारी 12. संपर्क भाषा हिंदी – संपादन सुरेश कुमार/ ठाकुरदास 13. समकालीन हिंदी में रूपस्वामिनिकी –सुधाकर सिंह 14. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण – डॉ. त्रिभुवन नाथ शुक्ल 15. कोश विज्ञान : प्रविधि एवं प्रणाली –डॉ. त्रिभुवन नाथ शुक्ल

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 X 1 = 10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) 3 X 3 = 9 अंक

3– लघुत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) 3 X 6 = 18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) 3 X 11 = 33 अंक

समाजिक अधिगम और इंटर्नशिप तथा इंटरप्रेन्योरशिप

COURSE	**CODE: HND 221**
COURSE TYPE :	**PRJEST/FST**
COURSE TITLE सामाजिक अधिगम और कौशल विकास	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30 PRACTICAL**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL**

UNIT 1 18 HOURS	
UNIT 2 18 HOURS	
UNIT 3 18 HOURS	
UNIT 4 18 HOURS	
UNIT 5 18 HOURS	

COURSE	**CODE: HNDA01**
COURSE TYPE :ECC/CB	

COURSE TITLE भारतीय राजनैतिक व्यवस्था एवं संवैधानिकता	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30 PRACTICAL**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL**
UNIT 1 18 HOURS	
UNIT 2 18 HOURS	
UNIT 3 18 HOURS	
UNIT 4 18 HOURS	
UNIT 5 18 HOURS	

M.A. Semester-I
Paper- V
संत कवि कबीरदास
Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO–01– कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।

CO– 02 – भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों के परिप्रेक्ष्य में कबीर की काव्यगत विशेषताओं से अवगत होंगे।

CO–03– कबीर द्वारा दिये गए काव्यगत संदेश से परिचित हो सकेंगे।

CO–04– कबीर की समन्वयवादी एवं मानवतावादी दृष्टिकोण से अवगत होगे।

CO– 05–वर्तमान संदर्भ में कबीर के काव्य का महत्व समझ सकेंगे।

CO–06– कबीर के काव्य के आलोक में सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य को समझने में दक्षता प्राप्त होगी।

CO–07–कबीर के काव्य फलक पर नवीन शोध दृष्टि विकसित होगी।

CO–08–साहित्य जगत में कबीर का स्थान एवं महत्व निर्धारित कर सकेंगे।

CO–09– कबीर के काव्य का समालोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1									
PO2									
PO3									✓
PO4			✓	✓		✓			
PO5							✓		
PO6	✓	✓							✓
PO7				✓		✓			✓
PO8						✓	✓	✓	
PO9			✓	✓		✓		✓	✓
PO10									
PO11									

Paper- V

COURSE **CODE: HNDA02** **COURSE TYPE :ECC/CB**	
COURSE TITLE **संत कवि कबीरदास**	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30 PRACTICAL**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL**

UNIT 1 18 HOURS	(कवीर ग्रंथावली डॉ. श्यामसुन्दर दास) साखियाँ गुरुदेव को अंग 1 से 10 विरह का अंग 1 से 10
UNIT -2 18 HOURS	काल कौ अंग : 1 से 10 निंद्या कौ अंग 1 से 10
UNIT -3 18 HOURS	सूरा तन कौ अंग : 1 से 10 निहिकर्मी पतिव्रता कौ अंग : 1 से 10
UNIT -4 18 HOURS	पद (सबद) पद संख्या 1, 16, 23, 43, 59
UNIT -5 18 HOURS	पद (सबद) पद संख्या 64, 68, 72, 84, 111
अनुशंसित ग्रंथ	1. कबीर हजारी –प्रसाद द्विवेदी 2. कबीर साहित्य की परख– परशुराम चतुर्वेदी 3. कबीर : एक विवेचन – डॉ सरनाम सिंह शर्मा 4. कबीर एक अनुशीलन – डॉ रामकुमार वर्मा 5. संत साहित्य की समझ– नन्द किशोर पाण्डेय 6. कवीर ग्रंथावली –डॉ. श्यामसुन्दर दास 7. कबीर : कवि साधक और समाज सुधारक – डॉ. राधेश्याम दुबे, डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी डॉ राजकुमार उपाध्याय मणि

	अंक विभाजनः– 1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 X 1 = 10 अंक 2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) 3 X 3 = 9 अंक 3– लघुत्तरी प्रश्न / व्याख्या (शब्द सीमा 200 से 250) 3 X 6 = 18 अंक 4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) 3 X 11 = 33 अंक

M-A- Semester-I
Paper- V
भक्तकवि सूरदास
Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO–01–सूरदास के व्यक्तित्व एवं कवित्व से परिचित हो सकेंगे।

CO–02– भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों के परिप्रेक्ष्य में सूरदास की काव्यगत विशेषताओं से परिचित होंगे।

CO–03–सूरदास की भक्ति पद्धति से अवगत होंगे साथ ही तत्कालीन अन्य कवियों से तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

CO–04–सूरदास के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत होंगे।

CO–05–सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य को समझ सकेंगे।

CO–06–आलोचनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन से नवीन शोध विकसित होगी।

CO–07–साहित्य जगत में सूरदास का स्थान एवं महत्व निर्धारित कर सकेंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1									
PO2									
PO3					✓	✓	✓		
PO4					✓	✓			
PO5						✓			
PO6	✓	✓							
PO7					✓				
PO8							✓		
PO9							✓		
PO10									
PO11									

M-A- Semester-I
Paper- V

COURSE **COURSE TYPE :ECC/CB**	**CODE: HNDA03**
COURSE TITLE **भक्तकवि सूरदास**	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30 PRACTICAL**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL**
UNIT 1 18 HOURS	सूरसागर (प्रारंभिक पद) पद संख्या –1,3,6,8,10,12,14,18,19,21,22,25,28,30,32,34,35,36,39=20 सूरसागर = पं. आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी)
UNIT -2 18 HOURS	पद संख्या– 42,44,45,48,49,51,56,57,59,61,63,65,68,70,72,74,76,77,79,81 = 20
UNIT -3 18 HOURS	पद संख्या 84,86,87,88,90,92,94,96,97,98,99,100,102,104,105,106,108, 109,110,112 =20
UNIT -4 18 HOURS	पद संख्या 114.116.117 118,120,121.122.124.126.129.130.132 133 134 135.136.137 139,140,143 = 20
UNIT -5 18 HOURS	पद संख्या 150,154,155,158,161,162,164,168,170,172,173,176,177,179,180, 183,184,185,189,190 = 20

अनुशंसित ग्रंथ	1. सूरदास – डॉ. नंददुलारे वाजपेयी 2. सूरदास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल 3. सूर साहित्य – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी 4.सूर की भाषा– डॉ. प्रेमनारायण टंडन 5. कृष्ण काव्य और सूर : सांस्कृतिक संदर्भ – डॉ. प्रेमशंकर 6: सूरदास : एक पुनरावलोकन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा 7 भ्रमरगीत का काव्य सौंदर्य –सत्येन्द्र पारीक 8. भ्रमरगीत : एक अन्वेषण –डॉ. सत्येन्द्र 9 भारतीय साधना और सूर साहित्य –डॉ. हरवंशलाल शर्मा 10. सूरदास और उनका साहित्य – डॉ. मुंशीराम शर्मा 11. सूर की मौलिकता डॉ. वेदप्रकाश शास्त्री 12. मध्यकालीन बोध और साहित्य –डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी 13. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल 14. भक्तिकाव्य और लोकजीवन – डॉ. शिवकुमार मिश्र 15. भक्तिकाव्य की भूमिका –डॉ. प्रेमशंकर 16. भक्तिकाल के भारतीय रहस्यवाद – डॉ. राधेश्याम दुबे 17. महाकवि सूरदास और उनकी सूर सारावली– डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
	अंक विभाजनः– 1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 X 1 = 10 अंक 2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) 3 X 3 = 9 अंक 3– लघूत्तरी प्रश्न / व्याख्या (शब्द सीमा 200 से 250) 3 X 6 = 18 अंक 4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) 3 X 11 = 33 अंक

M.A. Semester-I
Paper- V
महाकवि तुलसीदास
Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेगे:

CO–01– तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।
CO–02– युगीन प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
CO–03– अन्य कवियों के साथ तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
CO–04– तुलसीदास के काव्य के आलोक में सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिद्रश्य को समझने की दक्षता प्राप्त होगी।
CO–05– समन्वयवादी तथा मानवतावादी दृष्टिकोण से अवगत होगे।
CO–06– तुलसीदास के काव्य का समालोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
CO–07– तुलसीदास के काव्य–अध्ययन से मानवीय मूल्यों से परिचित होंगे।
CO–08– नवीन शोध दृष्टि विकसित होगी।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1									
PO2									
PO3									
PO4				✓	✓		✓		
PO5			✓			✓		✓	
PO6	✓	✓							
PO7				✓	✓		✓		
PO8						✓			
PO9				✓	✓		✓		
PO10									
PO11									

M.A. Semester-I
Paper- V

<table>
<tr><td colspan="2">COURSE CODE: HNDA04
COURSE TYPE :ECC/CB</td></tr>
<tr><td colspan="2">COURSE TITLE
महाकवि तुलसीदास</td></tr>
<tr><td>CREDIT:
THEORY: 6 PRACTICAL:NA</td><td>HOURS:90
THEORY:90
PRACTICAL:</td></tr>
<tr><td>MARKS:
THEORY: 70+30 PRACTICAL</td><td>MARKS
THEORY:
PRACTICAL</td></tr>
</table>

UNIT 1 18 HOURS	रामचरित मानस (बालकाण्ड) दोहा 1 से 10 (श्री रामचरितमानस – गीताप्रेस, गोरखपुर)
UNIT -2 18 HOURS	रामचरितमानस (उत्तरकाण्ड) दोहा 11 से 20
UNIT -3 18 HOURS	कवितावली (प्रारंभिक छंद 1 से 10) (कवितावली – गीताप्रेस, गोरखपुर)
UNIT -4 18 HOURS	गीतावली पद– 1 से 10 (गीतावली – गीताप्रेस, गोरखपुर)
UNIT -5 18 HOURS	विनयपत्रिका पद– 11 से 20 गीताप्रेस गोरखपुर
अनुशंसित ग्रंथ	1. तुलसीदास साहित्य में नीति, भक्ति और दर्शन – डॉ हरिश्चंद्र शर्मा 2. तुलसी का काव्य सौंदर्य – डॉ राममूर्ति त्रिपाठी 3. तुलसी का मानस – मुंशीराम शर्मा 4. गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल 5. तुलसी काव्य दर्शन – डॉ. रामलाल सिंह 6. तुलसी साहित्य सुधा – डॉ. भगीरथ मिश्र 7. तुलसीदास : वस्तु और शिल्प –डॉ आनंदप्रकाश दीक्षित – 8. विनयपत्रिका : एक मूल्यांकन – डॉ हरिश्चंद्र शर्मा 9. हिन्दी आलोचना और हिन्दी नवरत्न – राजकुमार उपाध्याय मणि 10. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी 11. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुन्तलमेघ 12. तुलसी आधुनिक संदर्भों में : डॉ भगीरथ मिश्र

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 X 1 = 10 अंक
2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100)	3 X 3 =9 अंक
3– लघूत्तरी प्रश्न / व्याख्या (शब्द सीमा 200 से 250)	3 X 6 = 18 अंक
4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600)	3 X 11 = 33 अंक

M-A- Semester - 1
Paper-V
महाकवि जयशंकर प्रसाद
Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO–01– जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।
CO–02– छायावादी काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
CO–03– दर्शनिक तथ्यों से परिचित होंगे।
CO–04 आधुनिक काल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से अवगत होंगे।
CO–05– मानवीय मूल्यों को समझ सकेंगे।
CO–06– साहित्य जगत में जयशंकर प्रसाद का स्थान महत्व एवं तुलनात्मक श्रेष्ठता निर्धारित कर

सकेंगे।

CO–07– जयशंकर प्रसाद के काव्य के सम्बंध में नवीन शोध दृष्टि विकसित होगी।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓					✓			
PO2									
PO3				✓		✓	✓		
PO4				✓	✓	✓			
PO5						✓	✓		
PO6		✓							
PO7			✓	✓	✓	✓			
PO8			✓			✓	✓		
PO9					✓	✓	✓		
PO10									
PO11									

M-A- Semester - 1
Paper-V

COURSE **COURSE TYPE :ECC/CB**	**CODE: HNDA04**
COURSE TITLE **जयशंकर प्रसाद**	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30 PRACTICAL**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL**
UNIT 1 18 HOURS	आँसू(सम्पूर्ण काव्य)

UNIT -2 18 HOURS	कामायनी –(श्रद्वा–इड़ा)
UNIT -3 18 HOURS	जनमेजय का नागयज्ञ (नाटक)
UNIT -4 18 HOURS	कंकाल (उपन्यास)
UNIT -5 18 HOURS	आकाशदीप, गुण्डा, मधुआ, छोटा जादूगर
अनुशंसित ग्रंथ	1.जयशंकर प्रसाद –आचार्य नंददुलारे बाजपेयी 2.नया साहित्य : नये प्रश्न– आचार्य नंददुलारे बाजपेयी 3.प्रसाद और उनका साहित्य– विनोदशंकर व्यास 4. प्रसाद का काव्य –डॉ. प्रेमशंकर भारती 5.प्रसाद का जीवन और साहित्य – डॉ. रामरतन भटनागर 6. प्रसाद का गद्य साहित्य डॉ. राजमणि शर्मा 7.प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन –डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा 8.जयशंकर प्रसाद– वस्तु और कला –डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल 9 प्रसाद का जीवन और साहित्य –डॉ रामेश्वर भटनागर 10 हिंदी उपन्यास –आचार्य रामचंद्र तिवारी 11. आधुनिक हिंदी साहित्य– विविध आयाम – आचार्य रामचंद्र तिवारी 12. आंसू : काव्य और शैली – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि 13 कामायनी का रचना संसार : डॉ. प्रेमशंकर

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 × 1 = 10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) 3 × 3 = 9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न / व्याख्या (शब्द सीमा 200 से 250) 3 × 6 = 18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) 3 × 11 = 33 अंक

M.A. Semester-I
Paper - V
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO–01– तत्कालीन परिस्थितियों– राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक साहित्यिक परिप्रेक्ष्य में रामचन्द्र शुक्ल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।

CO–02– रामचन्द्र शुक्ल की आलोचनात्मक दृष्टि से अवगत होंगे।

CO–03– तार्किक रूप से साहित्य के अनुशीलन की योग्यता विकसित होगी।

CO–04– समीक्षा के नये बिन्दुओं के अन्वेषण की समझ विकसित होगी।

CO–05– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के साहित्य की प्रासंगिकता से अवगत होंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓								
PO2									
PO3	✓		✓						
PO4			✓						
PO5				✓	✓				
PO6									
PO7	✓		✓						
PO8			✓						

PO9	✓				✓				
PO10									
PO11									

M.A. Semester-I
Paper - V

COURSE **CODE: HNDA06** **COURSE TYPE :ECC/CB**	
COURSE TITLE **आचार्य रामचन्द्र शुक्ल**	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30 PRACTICAL**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL**
UNIT 1 18 HOURS	चिंतामणि भाग 01 से 06 निबंध 1
UNIT -2 18 HOURS	चिंतामणि भाग – 1 07 से 12 निबंध
UNIT -3 18 HOURS	चिंतामणि भाग – 1 13 से 17 निबंध
UNIT -4 18 HOURS	रस मीमांसा : पूर्व भाग
UNIT -5 18 HOURS	रस मीमांसा : उत्तर भाग

अनुशंसित ग्रंथ	1.आलोचक रामचंद्र शुक्ल– गुलाबराय 2. रामचंद्र शुक्ल –मलयज 3. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना –रामविलास शर्मा 4. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – डॉ. हरिमोहन 5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल –रामचंद्र तिवारी 6.हिंदी आलोचना –विश्वनाथ त्रिपाठी 7. हिंदी आलोचक– शिखरों का साक्षात्कार –रामचंद्र तिवारी 8. आलोचक के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य– शिवकरण सिंह 9. आलोचक और आलोचना –बच्चन सिंह 10. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 × 1 = 10 अंक
2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100)	3 × 3 = 9 अंक
3– लघूत्तरी प्रश्न ६ व्याख्या (शब्द सीमा 200 से 250)	3 × 6 = 18 अंक
4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600)	3 × 11 = 33 अंक

DEPARTMENT OF HINDI

M.A. in Hindi

FACULTY OF ARTS

- SECOND SEMESTER (EVEN SEMESTER)

Eligibility Criteria(Qualifying Exams)	Course Code	Course Type	Course(Paper/ Subjects)	Credits	Contact Hourse per Week			EoSE Duration(Hrs.)	
					L	T	P	Thy	P
After appearing in the First semester examination irrespective of any number of back/arrear papers	HND 201	CCC	आधुनिक काव्य	06	4	3	00	3	00
	HND 202	CCC	कथा साहित्य	06	4	3	00	3	00
	HND 203	CCC	भारतीय काव्य शास्त्र	06	4	3	00	3	00
	HND SO1	OSC	शोध प्रविधि एवं कम्प्यूटर एप्लीकेशन की पृष्ठभूमि	06	4	3	00	3	00
	HNDB 01	ECC/CB	पर्यावरणीय एवं वानिकी विधि						
	HNDB 02	ECC/CB	आदिकाव्य						
	HNDB0 3	ECC/CB	संत काव्य						
	HNDB 04	ECC/CB	रीति काव्य						
	HNDB 05	ECC/CB	छायावाद काव्य	06	4	3	00	3	00
	HND B 06	ECC/CB	स्वातंत्रयोत्तर हिंदी काव्य						
	MINIMUM CREDIS IN INDIVIDUAL SUBJECT IS 6 AND IN COMPLETE SEMESTE IT WOULD BE 30			TOTAL = 30					

M.A. Semester- II
Paper—1
आधुनिक काव्य
Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः—

CO—01— आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

CO—02— आधुनिक काल के प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी।

CO—03—प्रबंध और मुक्तक काव्य के विकासक्रम से परिचित होंगे।

CO—04—इन रचनाओं के अध्ययन से मूल्यांकन की दृष्टि विकसित होगी।

CO—05विभिन्न कवियों का अध्ययन कर तुलनात्मक श्रेष्ठता निर्धारित कर सकेंगे।

CO—06—जीवन दर्शन तथा जीवन मूल्यों से परिचित होंगे।

CO—07— सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य को समझ सकेंगे।

CO—08— आधुनिक काव्य के क्षेत्र में नवाचारात्मक अध्ययन एवं नवीन शोध दृष्टि एवं शोध प्रवृत्ति विकसित होगी।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓								
PO2									
PO3									
PO4	✓					✓	✓		

PO5				✓				✓	
PO6	✓	✓							
PO7						✓	✓		
PO8				✓	✓			✓	
PO9				✓		✓	✓		
PO10								✓	
PO11									

M.A. Semester- II
Paper—1

COURSE **CODE: HND102** **COURSE TYPE :CCC**	
COURSE TITLE **आधुनिक काव्य**	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**	**MARKS:** **THEORY:** **PRACTICAL:**
UNIT 1 18 HOURS	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र —यमुना शोभा, हरिऔध — प्रिय प्रवास षष्ठ सर्ग मैथिलीशरण गुप्त — साकेत (नवंम सर्ग) पाठ्यग्रथ आधुनिक कविता के प्रतिमान —डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी
UNIT -2 18 HOURS	जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता, श्रद्धा, लज्जा सर्ग)
UNIT -3 18 HOURS	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला': बादल राग, संध्या सुन्दरी, स्नेह निर्झर बह गया, जूही की कली. सरोज स्मृति, राम की शक्तिपूजा
UNIT -4 18 HOURS	सुमित्रानंदन पंत : नौका विहार, ताज, भारतमाता, परिवर्तन
UNIT -5 18 HOURS	महादेवी वर्मा : बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुख की बदली, धीरे—धीरे उतर क्षितिज से आ बसंत रजनी, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो. पिक हौल—होले बोल पंथ होने दो अपरिचित ।

अनुशंसित ग्रंथ	1. जयशंकर प्रसाद– नंददुलारे वाजपेयी 2. कामायनी एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध 3. छायावाद –नामवर सिंह 4. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचंद्र शाह 5. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – द्वारिका प्रसाद सक्सेना 6. आधुनिक हिंदी काव्य में रूप विधाएँ – डॉ निर्मला जैन 7. कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन –डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना 8. कामायनी इतिहास और रूपक – सुशीला शर्मा 9. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ संतोष कुमार तिवारी 10. कांतिकारी कवि निराला –डॉ बच्चन सिंह 11. निराला आत्महंता आस्था – डॉ दूधनाथ सिंह यादव 12. आज के प्रतिनिधि कवि – राजकिशोर 13. नई कविता की भूमिका श्री अंजनी कुमार 1 14. नई कविता की वैचारिक परिप्रेक्ष्य – डॉ जीवन प्रकाश जोशी 15. नई कविता संस्कार और शिल्प डॉ. रमाशंकर मिश्र 16. कामायनी का संसार – डॉ. प्रेमशंकर 17. कामायनी अध्ययन की समस्यायें –डॉ. नगेन्द्र 18. मैथलीशरण गुप्त व्यक्तित्व एवं कृतित्व – डॉ. कमला कान्त पाठक 19. आँसू काव्य और शैली – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि 20. आधुनिक कविता के प्रतिमान –डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 × 1 = 10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) 3 × 3 = 9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न / व्याख्या (शब्द सीमा 200 से 250) 3 × 6 = 18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) 3 × 11 = 33 अंक

M.A. Semester- II

Paper-II

कथा साहित्य

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगे:–

CO–01– गद्य की प्रमुख विधाओं के वास्तविक स्वरूप से परिचित होंगे।

CO–02–प्रमुख गद्य विधाओं के विकासक्रम से अवगत होंगे।

CO–03– रचना के आस्वादन एवं समीक्षा की क्षमता विकसित होगी।

CO–04 प्रमुख कथाकार एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे।

CO–05–कथा साहित्य के क्षेत्र में नवीन शोध दृष्टि विकसित होगी।

CO–06– तत्कालीन एवं समकालीन जीवन एवं नैतिक मूल्यों की रेखांकित कर सकेंगे।

CO–07– सृजन क्षमता विकसित होगी।

CO–08– साहित्य और समाज के अंत सम्बंध को रेखांकित कर सकेंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1			✓				✓	✓	
PO2									
PO3			✓				✓		
PO4						✓		✓	
PO5					✓		✓	✓	
PO6	✓	✓							
PO7			✓			✓	✓	✓	
PO8							✓		
PO9			✓			✓			
PO10									
PO11									

COURSE	**CODE: HND202**
COURSE TYPE :CCC	

COURSE TITLE कथा साहित्य	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**	**MARKS:** **THEORY:** **PRACTICAL:**

UNIT 1 18 HOURS	गोदान (उपन्यास) –प्रेमचंद
UNIT -2 18 HOURS	शेखर एक जीवनी (भाग एक) – अज्ञेय
UNIT -3 18 HOURS	तमस – भीष्म साहनी
UNIT -4 18 HOURS	कहानियों –1. उसने कहा था –चंद्रधर शर्मा गुलेरी, 2. आकाश दीप –जयशंकर प्रसाद, 3. कफन –प्रेमचंद, 4 पत्नी –जैनेन्द्र कुमार (कथातर – संपादक –परमानंद श्रीवास्तव. –गिरीश रस्तोगी)
UNIT -5 18 HOURS	कहानियाँ – 1. दोपहर का भोजन – अमरकांत 2. दिल्ली में एक मौत –कमलेश्वर 3 वापसी–उषा प्रियंवदा (कथांतर – सपादक – परमानंद श्रीवास्तव, गिरीश रस्तोगी)

अनुशंसित ग्रंथ	1. प्रेमचंद एक अध्ययन	– राजेश्वर गुरु
	2. प्रेमचंद और उनका युग	– रामविलास शर्मा
	3. प्रेमचंद एक विवेचन	– इद्रनाथ मदान
	4. उपन्यासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी	–त्रिभुवन सिंह
	5. अज्ञेय का कथा साहित्य	– ओम प्रभाकर
	6. विवेक के रंग	–देवीशंकर अवस्थी
	7. हिंदी उपन्यास	– शिवनारायण श्रीवास्तव
	8. कहानी नई कहानी	– नामवर सिंह
	9. कहानी आंदोलन की भूमिका	– बलीराज पांडे
	10. आज की हिंदी कहानी	–विजय मोहन सिंह
	11. उपन्यास का इतिहास	– गोपाल राय
	12. उपन्यास स्थिति और गति	– चंद्रकांत बादीवडेकर
	13. यशपाल	– कमला प्रसाद
	14. दूसरी परपरा की खोज	–नामवर सिंह
	15. नई कहानी परिवेश और परिप्रेक्ष्य	– रामकली सराफ
	16. हिंदी का गद्य साहित्य	– रामचंद्र तिवारी
	17. हिन्दी कथा सरिता	–डॉ शशीकला पाण्डेय

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 × 1 = 10 अंक
2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100)	3 × 3 = 9 अंक
3– लघूत्तरी प्रश्न / व्याख्या (शब्द सीमा 200 से 250)	3 × 6 = 18 अंक
4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600)	3 × 11 = 33 अंक

Paper-III

भारतीय काव्य शास्त्र

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO–01 भारतीय साहित्यशास्त्र के स्वरूप एवं विकासक्रम से परिचित होंगे।

CO–02 भारतीय साहित्यशास्त्र के मूल सिद्धांतों से अवगत होंगे।

CO–03 भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य वैषम्य एवं उसके कारणों को समझ सकेंगे।

CO–04– साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से समीक्षात्मक दृष्टि एवं नवीन शोध दृष्टि विकसित होगी।

CO–05– साहित्यकारों की रचनाओं के गुण दोषों की विवेचना कर सकेंगे।

CO–06 रचनाओं की श्रेष्ठता का आकलन कर सकेंगे।

CO–07 रचनाओं में निहित काव्यात्मक तत्वों एवं भावों को समझ कर श्रेष्ठ चिंतन का स्वरूप निर्धारण कर सकेंगे।

CO–08– काव्य के साधन काव्य की आत्मा व काव्य के फल ज्ञात कर सकेंगे।

CO– 09 – साहित्य सृजन के कारण व प्रयोजन को समझ सकेंगे।

CO–10 साहित्य और जीवन के अंतः संबंध तथा उसके औचित्य एवं महत्व को समझ सकेंगे।

CO–11– साहित्य समाज का दर्पण है की अवधारणा को समझ सकेंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1			✓				✓		
PO2									
PO3			✓				✓		
PO4			✓			✓			
PO5					✓		✓		
PO6	✓	✓							
PO7			✓			✓	✓		
PO8							✓		
PO9			✓			✓			
PO10									
PO11									

Paper-III

COURSE **COURSE TYPE :CCC**	**CODE: HND203**
COURSE TITLE **भारतीय काव्यशास्त्र**	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**	**MARKS:** **THEORY:** **PRACTICAL:**
UNIT 1 18 HOURS	काव्यशास्त्र का इतिहास– सामान्य परिचय काव्य लक्षण काव्य हेतु काव्य प्रयोजन एवं काव्य के प्रकार
UNIT -2 18 HOURS	रस सिद्धांत –रस की अवधारणा रस निष्पत्ति और साधारणीकरण रस–निष्पति सबंधी विभिन्न मत रस के अंग
UNIT -3 18 HOURS	ध्वनि सिद्धांत – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धांत का महत्व ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं
UNIT -4 18 HOURS	अलंकार सिद्धांत– अलकार की अवधारणा, अलंकारों का वर्गीकरण अलंकार सिद्धांत की मूल स्थापनाएं रीति सिद्धांत –रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण ।रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाए
UNIT -5 18 HOURS	वक्रोक्ति सिद्धांत – वक्रोक्ति की अवधारणा, वकोक्ति का वर्गीकरण वकोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद, वक्रोक्ति का महत्व औचित्य सिद्धांत– औचित्य की अवधारणा, औचित्य के भेद, औचित्य का महत्व ।

अनुशंसित ग्रंथ	1. भारतीय काव्यशास्त्र –डॉ. भागीरथ मिश्र 2. रसमीमांसा – आ० रामचंद्र शुक्ल 3. संस्कृत आलोचना –बलदेव उपाध्याय 4. काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेंद्र 5. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज – राममूर्ति त्रिपाठी 6. ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत –भोलाशंकर व्यास 7. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेंद्र 8. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. कृष्णदेव शर्मा 9. काव्य के रूप –गुलाब राय 10. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. बच्चन सिंह 11. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा –संपादन डॉ. नगेंद्र 12. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिमान –डॉ. जगदीश प्रसाद कौशिक 13. साहित्य शास्त्र – रामशरण दास गुप्त 14. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेंद्र 15. रस सिद्धान्त – डॉ. नगेन्द्र 16. समीक्षाशास्त्र के मानदण्ड –डॉ. रामसागर त्रिपाठी 17. रस और रस परंपरा – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी 18. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान – डॉ. हरिमोहन

COURSE	**CODE: HNDS01**
COURSE TYPE :OSC	
COURSE TITLE शोध प्रविधि एवं कम्प्युटर एप्लीकेशन की पृष्ठभूमि	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**	**MARKS:** **THEORY:** **PRACTICAL:**
OBJECTIVE	OBJECTIVE
COURSE CODE : HNDS01	COURSE TYPE : OSC
UNIT 1 18 HOURS	
UNIT -2 18 HOURS	
UNIT -3 18 HOURS	
UNIT -4 18 HOURS	
UNIT -5 18 HOURS	

COURSE	**CODE: HNDB01**

COURSE TYPE :ECC/CB		
COURSE TITLE पर्यावरणीय एवं वानिकी विधि		
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**		**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**		**MARKS:** **THEORY:** **PRACTICAL:**
OBJECTIVE	OBJECTIVE	
UNIT 1 18 HOURS		
UNIT -2 18 HOURS		
UNIT -3 18 HOURS		
UNIT -4 18 HOURS		
UNIT -5 18 HOURS		

M.A. Semester-II
Paper-V
आदिकाव्य

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO– 01 – हिन्दी की आदिकालीन साहित्यिक पृष्ठभूमि और उसकी काव्य प्रवृत्तियों से परिचित होगे।

CO–02– तत्कालीन प्रमुख कवियों तथा उसकी कृतियों से अवगत होंगे।

CO–03 –पाठ्यकृतियों के संदर्भ में समीक्षात्मक दृष्टिकोण विकसित होगी।

CO–04– आदिकालीन काव्य भाषाओं से परिचित होंगे।

CO–05 आदिकालीन साहित्य के अध्ययन के माध्यम से तत्कालीन सामजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य से अवगत होंगे।

CO–06– शोध के क्षेत्र में अन्वेषण द्वारा नवीन तथ्यों का प्रतिपादन कर सकेंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓								
PO2									
PO3				✓					
PO4	✓				✓				
PO5					✓	✓			
PO6	✓								
PO7	✓				✓				
PO8			✓						
PO9	✓				✓				
PO10						✓			
PO11									

M.A. Semester-II
Paper-V

COURSE	**CODE: HNDB02**
COURSE TYPE :ECC/CB	
COURSE TITLE **आदिकाव्य**	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**	**MARKS:** **THEORY:** **PRACTICAL:**
UNIT 1 18 HOURS	सरहपाद : चर्यापद, दोहाकोष पाठ्यग्रन्थ –आदिकालिन काव्य : डॉ. वासुदेव सिंह
UNIT -2 18 HOURS	गोरखनाथ : सबदी के पद
UNIT -3 18 HOURS	चन्दवरदाई अथपदमावती समय
UNIT -4 18 HOURS	विद्यापति – कीर्तिलता प्रथम पल्लव पदावली प्रार्थना, बंशीमाधुरी, रूपवर्णन, द्वितीय प्रसंग, बसंत मिलन
UNIT -5 18 HOURS	संदेश रासक अब्दुल रहमान (प्रथम प्रक्रम)
अनुशंसित ग्रंथ	1. हिंदी साहित्य का इतिहास –आ. रामचंद्र शुक्ल 2. हिंदी साहित्य का इतिहास– संपादक डॉ. नगेन्द्र 3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त 4. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर 5. पृथ्वीराज रासो (चन्दवरदाइ) – श्यामसुन्दर दास 6. विद्यापति पदावली – रामवृक्ष बेनीपुरी 7. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह 8. संदेश रासक –हजारी प्रसाद द्विवेदी 9. आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी 10. आदिकालीन काव्य – डॉ. वासुदेव सिंह 11. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य – डॉ. प्रेमव्रत तिवारी

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 × 1 = 10 अंक
2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100)	3 × 3 = 9 अंक
3– लघूत्तरी प्रश्न / व्याख्या (शब्द सीमा 200 से 250)	3 × 6 = 18 अंक
4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600)	3 × 11 = 33 अंक

M.A. Semester-II

Paper-V

संत काव्य

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO–01–संत काव्य के स्वरूप और काव्य प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

CO–02– प्रमुख संत कवि तथा उनकी कृतियों से अवगत होंगे।

CO–03– कृतियों के संदर्भ में आलोचनात्मक दृष्टिकोण में वृद्धि होगी।

CO–04– तत्कालीन जीवन मूल्यों एवं परिवर्तित होते जीवन मूल्यों को तुलनात्मक रूप से समझ सकेंगे।

CO–05– संत काव्य के महत्व तथा उसकी उपयोगिता समझ सकेंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓								
PO2									
PO3									
PO4				✓	✓				
PO5						✓			
PO6	✓	✓							
PO7			✓	✓	✓				
PO8									
PO9				✓	✓				
PO10									
PO11									

M.A. Semester-II

Paper-V

COURSE **CODE: HNDB02** **COURSE TYPE :ECC/CB**	
COURSE TITLE संत काव्य	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**	**MARKS:** **THEORY:** **PRACTICAL:**

UNIT 1 18 HOURS	कबीरदास
UNIT -2 18 HOURS	मलिक मुहम्मद जायसी
UNIT -3 18 HOURS	सूरदास
UNIT -4 18 HOURS	नन्ददास
UNIT -5 18 HOURS	तुलसीदास पाठ्यग्रंथ– मध्ययुगीन काव्य साधनाः डॉ रामचन्द्र तिवारी
अनुशंसित ग्रंथ	1.नाथ संप्रदाय –हजारी प्रसाद द्विवेदी 2. हिंदी साहित्य में निगुर्ण संप्रदाय–डॉ पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल 3.सत साहित्य – डॉ राधेश्याम दुबे 4. हिंदी काव्य की निगुर्णधारा में भक्ति – डॉ श्यामसुंदर शुक्ल 5.उत्तरभारत की संत परंपरा –डॉ परशुराम चतुर्वेदी 6.कबीर का सांस्कृतिक अध्ययन –डॉ आर्या प्रसाद त्रिपाठी 7.संत साहित्य की समझ – डॉ. नन्दकिशोर पाण्डेय 8.कबीर कवि साधक और समाज सुधारक –डॉ. राधेश्याम दुबे, डॉ. आर्याप्रस त्रिपाठी, डॉ राजकुमार उपाध्याय मणि

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 × 1 = 10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) 3 × 3 = 9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न / व्याख्या (शब्द सीमा 200 से 250) 3 × 6 = 18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) 3 × 11 = 33 अंक

M-A- Semester- II

Paper-V

रीतिकाव्य

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO–01– रीतिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि तथा उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

CO–02– तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उसकी रचनाओं से अवगत होगे।

CO– 03 पाठ्यकृतियों के संदर्भ में आलोचनात्मक दृष्टि में वृद्धि होगी।

CO–04– समाज की परिवर्तित होती हुई दशा एवं दिशा को समझ सकेंगे।

CO–05– तत्कालीन जीवन मूल्यों एवं परिवर्तित जीवन मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

CO–06– नवीन संदर्भों में शोध दृष्टि विकसित होगी।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓	✓							
PO2	✓	✓	✓						
PO3	✓		✓						
PO4			✓		✓				
PO5				✓					
PO6									
PO7									
PO8			✓	✓					
PO9									
PO10									
PO11	✓			✓					

M-A- Semester- II

Paper-V

<table>
<tr><td colspan="2">COURSE
COURSE TYPE :ECC/CB</td><td>CODE: HNDB04</td></tr>
<tr><td colspan="3">COURSE TITLE
रीति काव्य</td></tr>
<tr><td colspan="2">CREDIT:
THEORY: 6 PRACTICAL:NA</td><td>HOURS:90
THEORY:90
PRACTICAL:</td></tr>
<tr><td colspan="2">MARKS:
THEORY: 70+30
PRACTICAL:</td><td>MARKS:
THEORY:
PRACTICAL:</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td colspan="3"></td></tr>
<tr><td>UNIT 1
18 HOURS</td><td colspan="2">केशवदास – रसिकप्रिया
बिहारी – बिहारी सतसई भक्ति संयोग वियोग श्रृंगार
पाठ्यग्रथ रीति काव्यधारा – डॉ. रामचन्द्र तिवारी</td></tr>
</table>

UNIT -2 18 HOURS	मतिराम – निर्धारित 01 से 15 छन्द भूषण –शिवाजी प्रशस्ति एवं छत्रशाल प्रशस्ति
UNIT -3 18 HOURS	सेनापति– श्लेष वर्णन 10 छन्द देव – ऋतु वर्णन, रूप तरंग, वियोग वर्णन
UNIT -4 18 HOURS	भिखारीदास 10 छन्द पदमाकर 10 छन्द शेखआलम 10. सन्द
UNIT -5 18 HOURS	स्वच्छन्द कवि –धनानन्द – 10 छन्द ठाकुर–05 छन्द बोधा –05 छन्द द्विजदेव 05 छन्द
अनुशंसित ग्रंथ	1 रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेंद्र 2 भारतीय साहित्यशास्त्र और काव्यालंकार डॉ. भोलाशंकर व्यास 3 पद्माकर विश्वनाथप्रसाद मिश्र 4. रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना डॉ. बच्चन सिंह 5 केशव का आचार्यत्व डॉ. विजयपाल सिंह 6 महाकवि मतिराम – डॉ. त्रिभुवन सिंह 7 रीतिकालीन काव्यसिद्धांत डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी 8घनआनन्द कवित्त – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि 9 घनआनन्द ग्रन्थावली –डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 × 1 = 10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) 3 × 3 = 9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न / व्याख्या (शब्द सीमा 200 से 250) 3 × 6 = 18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) 3 × 11 = 33 अंक

M.A. Semester- II

Paper-V

छायावादी काव्य

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO–01– छायावादी काव्य की पृष्ठभूमि तथा उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होगे ।

CO–02– तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से अवगत होंगे।

CO–03 पाठ्यकृतियों के संदर्भ में समीक्षा दृष्टि विकसित होगी।

CO–04– सामाजिक बदलाव के साथ काव्य प्रवृत्तियों के क्षेत्र में होते हुए परिर्वतन से परिचित हो सकेंगे।

CO–05– कल्पना के माध्यम से यथार्थ की अभिव्यक्ति को समझ सकेंगे।

CO–06– नवीन काव्यकला से परिचित होंगे।

CO–07– शोध के क्षेत्र में नवीन अन्वेषण की ओर अग्रसर हो सकेंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓	✓				✓			
PO2	✓	✓				✓			
PO3	✓	✓				✓			
PO4			✓		✓		✓		

PO5			✓	✓			✓		
PO6									
PO7				✓					
PO8					✓				
PO9									
PO10									
PO11				✓					

M.A. Semester- II

Paper-V

COURSE **CODE: HNDB04** **COURSE TYPE :ECC/CB**	
COURSE TITLE **छायावादी काव्य**	
CREDIT: **THEORY: 6 PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**	**MARKS:** **THEORY:** **PRACTICAL:**
UNIT 1 18 HOURS	स्वच्छन्दतावादी काव्य की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ छायावदी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ छायावादी कवि और काव्य
UNIT -2 18 HOURS	कामायनी – जयशंकर प्रसाद (चिता, आशा एवं श्रद्धा सर्ग)

UNIT -3 18 HOURS	अनामिका – निराला (राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति)
UNIT -4 18 HOURS	सुमित्रानंदन पंत : नौका विहार, ताज, भारतमाता, परिवर्तन,
UNIT -5 18 HOURS	महादेवी वर्माः बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ नै नीर भरी दुख की बदली धीरे–धीरे उत्तर क्षितिज से आ बसंत रजनी, यह मंदिर का दीप इस नीरव जलने दो, पिक हौल–हौले बोल पथ होने दो अपरिचित, रे पपीहे पी कहा, क्या जलन की रीति सलभ, प्रिय पथ के यह शूल चुभते ही तेरा अरूण बान
अनुशंसित ग्रंथ	1. जयशंकर प्रसाद– नंददुलारे वाजपेयी 2. कामायनी एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध 3. छायावाद – नामवर सिंह 4. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचंद्र शाह 5. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – द्वारिका प्रसाद सक्सेना 6. आधुनिक हिंदी काव्य में रूप विधाएँ – डॉ निर्मला जैन 7. कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन– डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना 8. कामायनी इतिहास और रूपक –सुशीला शर्मा 9. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर– डॉ संतोष कुमार तिवारी 10. कांतिकारी कवि निराला– डॉ बच्चन सिंह 11. निराला आत्महंता आस्था –डॉ दूधनाथ सिंह 12. आज के प्रतिनिधि कवि – राजकिशोर यादव 13. नई कविता की भूमिका –श्री अंजनी कुमार 14. नई कविता की वैचारिक परिप्रेक्ष्य– डॉ. जीवन प्रकाश जोशी 15. नई कविता संस्कार और शिल्प –डॉ. रमाशंकर मिश्र 16. कामायनी का संसार – डॉ. प्रेमशंकर 17. कामायनी अध्ययन की समस्यायें– डॉ. नगेन्द्र 18. मैथलीशरण गुप्त व्यक्तित्व एवं कृतित्व – डॉ. कमला कान्त पाठक 19. आँसू : काव्य और शैली – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि 20. आधुनिक कविता के प्रतिमान– डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी 21. स्वच्छन्दतावादी काव्य –डॉ. प्रेमशंकर

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 × 1 = 10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) 3 × 3 = 9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न / व्याख्या (शब्द सीमा 200 से 250) 3 × 6 = 18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) 3 × 11 = 33 अंक

M.A. Semester-II

Paper - V

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगे –

CO– 01 – स्वातंत्र्योत्तर युग की सामाजिक सांस्कृतिक आर्थिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों तथा विसंगतियों से उपजे काव्यान्दोलनों से परिचित हो सकेंगे।

CO–02– स्वतंत्रता के पश्चात के लोकजीवन तथा प्रकृति से कविता के सरोकार को रेखांकित कर सकेंगे।

CO–03–रचनात्मक प्राथमिकताओं भावबोध एवं भाषा को समझ सकेंगे।

CO–04– स्वातंर्त्योत्तर कविता के युगबोध को वस्तुगत, सामजिक आर्थिक परिप्रेक्ष्य सहित समझ सकेंगे।

CO–05– वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में चुनैतियों को समझने का आधार मिलेगा।

CO–06– कविता के नये स्वरूप व शिल्प का ज्ञान प्राप्त होगा।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓	✓				✓			
PO2	✓	✓		✓					
PO3	✓		✓	✓		✓			
PO4		✓							
PO5		✓		✓	✓				
PO6									

PO7		✓		✓					
PO8		✓			✓				
PO9									
PO10									
PO11		✓							

M.A. Semester-II

Paper - V

COURSE **CODE: HNDB05** **COURSE TYPE :ECC/CB**	
COURSE TITLE **स्वांतत्रयोत्तर हिदी काव्य**	
CREDIT: **THEORY: 6** **PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**	**MARKS:** **THEORY:** **PRACTICAL:**
UNIT 1 18 HOURS	अज्ञेय – मैने देखा एक बूंद, जरा व्याध, सर्जना के क्षण मूक्तिबोध – भूल गलती, ब्रम्ह राक्षस
UNIT -2 18 HOURS	नागार्जुन – बहुत दिनों के बाद, बादल को घिरते देखा है त्रिलोचन –चंपा काले–काले अक्षर नहीं चीन्हती, नदी — कामधेनु, मैं उस जनपद का कवि हूँ
UNIT -3 18 HOURS	शमशेर बहादुर सिंह – एक पीली शाम, टुटी हुई बिखरी हुई, सूर्यास्त सर्वेश्वर दयाल सक्सेना –काठ की घण्टियाँ, लोहिया के न रहने पर, संत – बानी
UNIT -4 18 HOURS	केदारनाथ अग्रवाल– एक हथौडे वाला घर में और हुआ – केदारनाथ सिंह अकाल में सारस, चुप्पियाँ
UNIT -5 18 HOURS	धूमिल – मेरी कविता, मोचीराम, कवि 1970 लीलाधर जगूडी अंतर्देशीय जनता की जमीन पर रोज आना, स्त्री प्रत्यय पाठयग्रन्थ समकालीन कविता – डॉ. मालती तिवारी

अनुशंसित ग्रंथ	1. नई कविता नये कवि –विशम्भर मानव 2. आधुनिक हिंदी काव्यधारा –डॉ. सरजू प्रसाद मिश्र 3. कविता के नये प्रतिमान– डॉ. नामवर सिंह 4 समकालीन कविता –विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 5.साठोत्तरी हिंदी कविता की परिवर्तित दिशाएँ – विजय कुमार 6. आधुनिक साहित्य –आ. नंद दुलारे वाजपेयी 7 समकालीन काव्य यात्रा – नंद किशोर नवल 8 कविता और संवेदना – विजय बहादुर सिंह 9.कविता का जनपद सं अशोक वाजपेयी 10 कविता पहचान का संकट –नंद किशोर नवल 11 प्रयोगवाद के पुरस्कर्ता कवि और अज्ञेय–डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 × 1 = 10 अंक
2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100)	3 × 3 = 9 अंक
3– लघूत्तरी प्रश्न / व्याख्या (शब्द सीमा 200 से 250)	3 × 6 = 18 अंक
4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600)	3 × 11 = 33 अंक

DEPARTMENT OF HINDI

M.A. in Hindi

FACULTY OF ARTS

- Third (ODD SEMESTER)

Eligibility Criteria(Qualifying Exams)	Course Code	Course Type	Course(Paper/ Subjects)	Credits	Contact Hourse per Week			EoSE Duration(Hrs.)	
					L	T	P	Thy	P
After appearing in the First semester examination irrespective of any number of back/arrear papers	HND 301	CCC	हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	06	4	3	00	3	00
	HND 302	CCC	छायावादोत्तर हिन्दी काव्य	06	4	3	00	3	00
	HND 303	CCC	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	06	4	3	00	3	00
	HND SO2	OSC	बौद्विक संपदा, मानवधिकार एवं पर्यावरण : पृष्ठभूमि	06	4	3	00	3	00
	HNDC 01	ECC/CB	जनजातीय अध्ययन	06	4	3	00	3	00
	HNDC0 2	ECC/CB	हिन्दी आलोचना						
	HNDC 03	ECC/CB	हिन्दी साहित्य और भारतीय संस्कृति						
	HNDBC 04	ECC/CB	दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन						
	HNDC 05	ECC/CB	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच						
	HND DC 06	ECC/CB	लोक साहित्य						
	MINIMUM CREDIS IN INDIVIDUAL SUBJECT IS 6 AND IN COMPLETE SEMESTE IT WOULD BE 30			TOTAL = 30					

M.A. Semester-III
Paper-I

हिन्दी निबंध एवं अन्य गदय विधाएँ

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगे–

CO–01– हिन्दी की विभिन्न गद्य विधाओं निबंध रेखाचित्र संस्मरण यात्रा संस्मरण, डायरी आत्मकथा एवं जीवनी के उदभव और विकासक्रम से परिचित होंगे। साथ ही इन सभी के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।

CO–02– वैचारिक निबंध के गम्भीर भावचितन से जुड़कर लाभान्वित होगे।

CO–03– रेखाचित्र लेखन कला, शिल्प से परिचित होंगे तथा वर्णित घटना से मानवता व जीवन मूल्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO–04– यात्रा संस्मरण से व्यक्तियों स्थानों प्रकृति एवं पर्यावरण से परिचित हो सकेंगे।

CO–05– डायरी लेखन कला का ज्ञान प्राप्त होगा।

CO–06–आत्मकथा व जीवनी से विभिन्न महान व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे तथा उनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।

CO–07–भिन्न–भिन्न रचनाएँ विद्यार्थियों को जीवन को वास्तविकता से परिचित करायेगी।

CO–08– उपर्युक्त वर्णित भिन्न–भिन्न विधाओं के माध्यम से रचनात्मक सृजनात्मकता का विकास होगा। विचार एवं

CO–09– संस्मरण आदि विधाओं के विभिन्न संदर्भों और घटनाओं से जीवन में गतिशील रहने की प्रेरणा मिलेगी।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓		✓	✓	✓	✓			
PO2	✓		✓	✓	✓	✓			
PO3	✓	✓	✓	✓	✓	✓		✓	
PO4						✓		✓	
PO5	✓							✓	
PO6									
PO7		✓					✓		✓
PO8	✓	✓	✓	✓	✓	✓			
PO9					✓			✓	
PO10									
PO11		✓					✓		✓

M.A. Semester-III
Paper-I

COURSE **COURSE TYPE :CCC**	**CODE: HND301**
COURSE TITLE **हिंन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाए**	
CREDIT: **THEORY: 6** **PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**	**MARKS:** **THEORY:** **PRACTICAL:**
UNIT 1 18 HOURS	सरदार पूर्ण सिंह – सच्ची वीरता (निबंध) आचार्य रामचंद्र शुक्ल– कविता क्या है काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था (निबंध) पाठ्यग्रन्थ –हिन्दी निबंध नवनीत– डॉ. राधेश्याम दुबे
UNIT -2 18 HOURS	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी– अशोक के फूल भारतीय संस्कृति की देन साहित्यकारों का दायित्व (निबंध) डॉ. कुबेरनाथ राय सूर्य और अतिसूर्य (निबंध)
UNIT -3 18 HOURS	महादेवी वर्मा –सबिया (रेखाचित्र) अमृत लाल नागर –डॉ रामविलास शर्मा – एक संस्मरण (संस्मरण)
UNIT -4 18 HOURS	अज्ञेय –मौत की घाटी (यात्रा संस्मरण) – मोहन राकेश– स्मृति की एक रौल (डायरी) हरिबंश राय बच्चन– कायस्थ पाठशाला का एक दिन (आत्मकथा)
UNIT -5 18 HOURS	अमृत राय –कलम का सिपाही (जीवनी) पाठ्यग्रन्थ –हिन्दी गद्य विधायन –डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी
अनुशंसित ग्रंथ	1. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध– महादेवी वर्मा 2. हिंदी निबंध और निबंधकार – डॉ ठाकुर प्रसाद सिंह 3. हिंदी के प्रमुख निबंधकार : रचना और शिल्प –डॉ गणेश वर्मा 4. हिंदी रेखाचित्र – हरवंश लाल शर्मा 5. हिन्दी निबंध नवनीत डॉ. राधेश्याम दुबे 6. हिंदी रेखाचित्र : सिद्धांत और विकास –मक्खन लाल शर्मा 7. रेखाचित्र : स्वरूप और समीक्षा– डॉ. विश्वनाथ प्रताप सिंह 8. हिंदी यात्रा साहित्य –संपादन डॉ. तुकाराम पाटील तथा डॉ नीलाबोवर्णकर 9. हिन्दी गदय विधायन –डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी 10. हिन्दी का गद्य साहित्य –डॉ. रामचन्द्र तिवारी

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 × 1 = 10 अंक
2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100)	3 × 3 = 9 अंक
3– लघूत्तरी प्रश्न / व्याख्या (शब्द सीमा 200 से 250)	3 × 6 = 18 अंक
4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600)	3 × 11 = 33 अंक

M.A. Semester-III

Paper II

छायावादोत्तर हिंदी काव्य

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO–01–छायावादोत्तर हिन्दी काव्य के स्वरूप और उसकी प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।
CO–02–छायावादोत्तर काव्य के विकासक्रम से परिचित होंगे।
CO– 03 पाठ्यकृतियों के संदर्भ में समीक्षा दृष्टि विकसित होगी।
CO–04– सामाजिक बदलाव के साथ काव्य प्रवृत्तियों के क्षेत्र में होते हुए परिवर्तन से परिचित होंगे।

CO–05–मनोविश्लेषणवादी प्रवृत्ति को समझ सकेंगे।

CO–06–तत्कालीन रचनाकार एवं उनकी रचनाओं से परिचित होगे।

CO–07– काव्य के क्षेत्र में आने वाली नई भावनाओं और संवेदनाओं को समझ सकेंगे।

CO–08–नवीन शोध दृष्टि विकसित होगी।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓	✓						✓	
PO2	✓	✓			✓	✓	✓		
PO3	✓	✓				✓			
PO4			✓					✓	
PO5					✓				
PO6									
PO7				✓			✓		
PO8	✓						✓		
PO9									
PO10									
PO11	✓			✓			✓		

M.A. Semester-III

Paper II

COURSE **CODE: HND302** **COURSE TYPE :CCC**	
COURSE TITLE **छायापादोत्तर हिंदी काव्य**	
CREDIT: **THEORY: 6** **PRACTICAL:NA**	**HOURS:90** **THEORY:90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**	**MARKS:** **THEORY:** **PRACTICAL:**

UNIT 1 18 HOURS	चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध (अंधेरे में)
UNIT -2 18 HOURS	आँगन के पार द्वार : अज्ञेय (असाध्यवीणा)
UNIT -3 18 HOURS	प्रतिनिधि कविताएँ : नागार्जुन (मेरी भी आभा है इसमें, यह तुम थी. शासन की बंदूक, तीनों बंदर बापू के)
UNIT -4 18 HOURS	त्रिकाल संध्या, सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र
UNIT -5 18 HOURS	संशय की एक रात :नरेश मेहता (प्रथम सर्ग)
अनुशंसित ग्रंथ	1 समकालीन हिंदी कविता– विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 2. समकालीन कविता का यथार्थ –परमानंद श्रीवास्तव 3. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ– रामकली सराफ 4 हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – दवारिका प्रसाद सक्सेना 5 नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर –डॉ. संतोष कुमार तिवारी 6 नई कविता के नये कवि – विश्वंभर मानव 7. समकालीन कविता – डॉ सूरज प्रसाद मिश्र 8 कविता के नये प्रतिमान– डॉ. नामवर सिंह 9. समकालीन कविता का व्याकरण – परमानंद श्रीवास्तव 10. साठोत्तरी हिंदी कविता की परिवर्तित दिशाएँ– विजय कुमार 11. आधुनिक हिंदी काव्यधारा – डॉ सूरज प्रसाद मिश्र 12 कविता का अर्थ – परमानंद श्रीवास्तव 13 अथातो काव्य जिज्ञासा – डॉ. मंजुल भगत 14. नई कविता की चेतना – डॉ. जगदीश कुमार 15. नागार्जुन एक लंबी जिरह –विष्णुचंद्र शर्मा 16. नागार्जुन जीवन और साहित्य – डॉ प्रकाश चंद्र भट्ट 17 नागार्जुन का काव्य एक पडताल –भगवान तिवारी 18 अज्ञेय और नई कविता – चंद्रकला त्रिपाठी 19. प्रयोगवाद के पुरस्कर्ता कवि और अज्ञेय – डॉ राजकुमार उपाध्याय मणि

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 × 1 = 10 अंक
2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100)	3 × 3 = 9 अंक
3– लघूत्तरी प्रश्न / व्याख्या (शब्द सीमा 200 से 250)	3 × 6 = 18 अंक
4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600)	3 × 11 = 33 अंक

M-A- Semester-III

Paper -III

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course outcome

इस प्रश्न पत्र से अध्ययन के छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO-01– पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के स्वरूप एवं विकासक्रम से परिचित होगे।

CO-02– पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के मूल सिद्धांता से अवगत होगे।

CO-03– साहित्यशास्त्र के सिद्धांता में साम्य वैषम्य एवं उसके कारणों को समझ सकेंगे।

CO-04- नई समीक्षा के सिद्धांत को समझ सकेंगे।

CO-05- समालोचना की विधि तथा नई अवधारणाओं से परिचित होगे।

CO-06– साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से नवीन समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

CO-07-पाश्चात्य समीक्षकों एवं उनकी समीक्षा पद्धति से परिचित होगे।

CO-08- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की मूल धारणाओं में साम्य और वैषम्य स्पष्ट कर सकेंगे।

.

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓	✓	✓		✓		✓		
PO2	✓	✓	✓	✓	✓		✓	✓	
PO3								✓	
PO4	✓			✓				✓	
PO5						✓		✓	
PO6				✓					
PO7									
PO8									
PO9									
PO10									
PO11									

M-A- Semester-III

Paper -III

COURSE CODE HND303 TYPE:CCC	COURSE
COURSE TITLE **पाश्चात्य काव्यशास्त्र**	
CREDIT: THEORY:6PRACTICAL:NA	HOURS:90 THEORY:90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 70+30PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL
UNIT-1 18Hours	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय । 1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : प्राचीन काल 2. मध्ययुगीन कला – साहित्य – चिंतन 3. आधुनिक युगीन कला साहित्य– चिंतन
UNIT-2 18Hours	प्रमुख पाश्चात्य साहित्य-आचार्य अ. प्लेटो–काव्यसिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत। ब.अरस्तू के काव्य सिद्धांत–अनुकरण सिद्धांत, प्लेटो और अरस्तू . की अनुकरण विषयक धारणा, दोनों के अनुकरण विषयक विचारों . की तुलना। विरेचन सिद्धांत स्वरूप विवेचन तथा व्याख्याएँ विवेचन . का महत्व, त्रासदी विवेचन। लोंजाइनस उदात्त सिद्धांत काव्य में . उदात्त का महत्व, लोंजाइनस का योगदान आई.ए. रिचर्डस्- रिचर्डस् का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण . सिद्धांत काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या संप्रेषण सद्धांत,संप्रेषण सिद्धांत का महत्व, रिचर्डस का योगदान।
UNIT-3 18Hours	इलियट- इलियट का निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी धारणा, वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत का स्वरूप इलियट का योगदान । कोच -कोचे का अभिव्यंजनावाद स्वरूप विवेचन अभिव्यंजनावाद वक्रोक्ति सिद्धांत। वड्सवर्थ – वड्सवर्थ की काव्य भाषा का सिद्धात । जॉन ड्राइडन युग परिवेश और आलोचना सिद्धांत। मैथ्यू आर्नाल्ड मैथ्यू आर्नाल्ड : कला और नैतिकता, आलोचना

UNIT-4 18 Hours	साहित्य सिद्धांत और विचारधाराएं अभिजात्यवाद और स्वच्छंदतावाद मनोविश्लेषणवादी आलोचना मार्क्सवादी आलोचना, साहित्य चितन के विविधवाद, साहित्य अध्ययन की प्रमुख पद्धतियों, अस्तित्ववाद आधुनिकतावाद और उत्तर आधुनिकतावाद
UNIT-5 18Hours	साहित्य चिंतन के विविध वाद– कलावाद – कला, कला के लिए, बिम्बवाद प्रतीकवाद फैंटेसी मिथक यथार्थवाद
	1. अरस्तू का काव्यशास्त्र -डॉ. नगेंद्र 2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र -डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा 3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत -डॉ. कृष्णदेव शर्मा 4. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन -डॉ. ओमप्रकाश शर्मा 5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ सिंह 6. आधुनिक समीक्षा -डॉ. भगवतस्वरूप मिश्र 7. पाश्चात्य साहित्यालोचन एवं हिंदी पर उसका प्रभाव -डॉ. रवींद्र सह 8. तुलनात्मक साहित्यशास्त्र -डॉ. विष्णुदत्त राकेश 9. पाश्चात्य साहित्य चितन -निर्मला जन 10. नई समीक्षा के प्रतिमान -निर्मला जैन 11. पाश्चात्य समीक्षाशास्त्र सिद्धांत और परिदृश्य -डॉ नगेंद्र 12. कविता के नए प्रतिमान-नामवर सिंह 13. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह 14. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका-मैनेजर पाण्डेय 15. हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार- डा - कृष्णदत्त पालीवाल 16. पाश्चात्य काव्यशास्त्र:अधुनातन संदर्भ – डॉ. सत्यदेव मिश्र 17. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श- सुधीश पचौरी 18. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ सुरेश कुमार जैन 19. उत्तर आधुनिकता कुछ विचार -सं. देवीशंकर 'नवीन' 20. समीक्षालोक -डॉ. भगीरथ दीक्षित 21. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन -जगदीश चन्द्र जैन 22. पाश्चात्य काव्यशास्त्र -डॉ. भगीरथ मिश्र

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10X1=10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) - 10X1=10 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) - 10X1=10 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) - 10X1=10 अंक

M-A- Semester- III

Paper-V

हिन्दी आलोचना

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकगेः–

CO–01– हिन्दी आलोचना के प्रमुख आधार एवं आलोचना पद्धति से परिचित होंगे।

CO–02– हिन्दी के प्रमुख समीक्षकों तथा उनकी आलोचनात्मक कृतियों से परिचित होंगे।

CO–03 हिन्दी आलोचना के विकासक्रम से परिचित होंगे।

CO–04 नवीन स्वरूप में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होगी ।

CO–05 समालोचनात्मक क्षमता विकसित होगी ।

CO–06–तार्किक रूप से साहित्य के अनुशीलन की योग्यता विकसित होगी।

CO–07– समीक्षा के नये बिंदुओं के अन्वेषण की समझ विकसित होगी।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓		
PO2	✓	✓	✓						
PO3					✓				
PO4				✓	✓	✓	✓		
PO5	✓	✓				✓	✓		
PO6									
PO7	✓	✓							
PO8	✓	✓	✓						
PO9									
PO10									
PO11		✓							

M-A- Semester- III

Paper-V

COURSE CODE:HNDC 02 ECC/CB	COURSE TYPE:
COURSE TITTLE हिंदी आलोचना	
CREDIT THEORY: 6PRACTICAL:NA	HOURS:90 THEORY:90 PRACTICAL:
YMARKS: THEORY:70+30PRCTICAL:	MARKS THEORY PRACTICAL
UNIT-1 18 HOURS	आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचायहजारी प्रसाद द्विवेदी,
UNIT-2 18 HOURS	आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी प्रेमचंद (साहित्य चिंतक)
UNIT-3 18 HOURS	प्रसाद, निराला (साहित्य चिंतक)
UNIT-4 18 HOURS	अज्ञेय, मुक्तिबोध (साहित्य चिंतक)
UNIT-5 18 HOURS	डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. नामवर सिंह

अनुशंसित ग्रंथ	1.हिंदी आलोचना -विश्वनाथ त्रिपाठी 2.हिंदी आलोचना का विकास -नंदकिशोर नवल 3हिंदी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार -रामचंद्र तिवारी 4. आलोचक के बदलते मानदण्ड और हिंदी साहित्य -शिवकरण सिंह 5.आलोचक और आलोचना -बच्चन सिंह 6.रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना -रामविलास शर्मा 7.दूसरी परंपरा की खोज – नामवर सिंह 8.साहित्य का नया शास्त्र – गिरिजा राय 9. हिन्दी आलोचना और हिन्दी नवरत्न -डॉ. राधेश्याम दुबे, डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10X1=10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) - 3X3=9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) - 3X6=18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) - 3X11=33 अंक

M-A- Semester- III

Paper-V

हिन्दी साहित्य और भारतीय संस्कृति

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO-01- हिन्दी साहित्य के अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य से परिचित होंगे।

CO-02- हिंदीतर भाषाओं के साहित्य से परिचित होंगे।

CO-03- भारतीय साहित्य में व्यक्त भारतीयता की पहचान होगी।

CO-04- हिन्दी में अनुदित साहित्य से अवगत होंगे।

CO–05-साहित्यिक अनुवाद का मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO-06 -पौराणिक ग्रंथों से परिचित होंगे।

CO-07 -विभिन्न धर्म व सम्प्रदाय में व्यक्त भावनाओं और संवेदनाओं को समझ सकेंगे।

CO-08- समालोचनात्मक दृष्टि विकसित होगी।

CO-07- शोध के क्षेत्र में नये तथ्यों का अन्वेषण कर सकेंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓	✓		✓		✓	✓		
PO2	✓	✓		✓		✓	✓		
PO3	✓	✓		✓	✓		✓		
PO4								✓	✓
PO5					✓			✓	✓
PO6			✓				✓		
PO7	✓		✓				✓		
PO8									
PO9									
PO10			✓				✓		
PO11									

M-A- Semester- III

Paper-V

COURSE CODE:HNDC 02 COURSE TYPE: ECC/CB	
COURSE TITTLE हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति	
CREDIT: THEORY 6PRACTICAL:	HOUR:90 THEORY:90 PRACTICAL
MARKS: THEORY:70+30PRACTICAL	MARKS THEORY: PRACTICAL
UNIT-1 18 HOURS	वेदों और उपनिषदों का सामान्य स्वरूप और उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव, रामायण, न पुराण साहित्य का सामान्य परिचय और भारतीय साहित्य पर उसका प्रभाव ।
UNIT-2 18 HOURS	बौद्ध और जैन धर्म का भारतीय साहित्य पर प्रभाव, वेदांत शंकर, रामानुज, वल्लभ आदि मध्यकालीन दार्शनिकों का अवदान, शैवमत तथा मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव
UNIT-3 18 HOURS	भागवत सम्प्रदाय और वैष्णव मत और मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव इस्लाम और मत उसका भारतीय साहित्य और संस्कृति पर प्रभाव, भक्ति आंदोलन और भारतीय साहिल
UNIT-4 18 HOURS	स्वाधीनता आंदोलन और भारतीय नवजागरण तथा भारतीय साहित्य पर उसका प्रभाव, साहित्य पर राष्ट्रीयता, गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद और अस्तित्ववाद का प्रभाव।
UNIT-5 18 HOURS	आधुनिक युग में भारतीय साहित्य साहित्य रूपों में परिवर्तन : कविता, नाटक, कथास सुब्रहमण भारती. डॉ. गिरीश कर्नाड, तथा भैरपा का महत्व

अनुशंसित ग्रंथ	1. भारतीय साहित्य -सं. डॉ नगेंद 2. भारतीय साहित्य का इतिहास –डॉ. बलदेव उपाध्याय 3. भारतीय दर्शन –डॉ. बलदेव उपाध्याय 4. भागवत सम्प्रदाय – डॉ. बलदेव उपाध्याय 5. सूफीमत साधना और साहित्य –डॉ. रामपूजन तिवारी 6. संस्कृति के चार अध्याय –दिनकर 7. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ –डॉ. रामविलास शर्मा 8. भारतीय चिंतन परंपरा –के दामोदरन – 9. आधुनिक भारतीय चिंतन– डॉ विश्वनाथ नरवणे 10. आज का भारतीय साहित्य – सं. साहित्य अकादमी 11. बंगला साहित्य का इतिहास– डॉ. बनर्जी 12. हिंदी साहित्य के विकास में दक्षिण का योगदान –स. रेड्डी राव अप्पल राजु 13. भारतीय साहित्यकारों से साक्षात्कार –डॉ. रणवीर संग्रा 14. भारतीय साहित्य विमर्श– स. रामजी तिवारी 15. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास –सं. डॉ. नगेंद्र 16. भारतीयता की पहचान– डॉ. विद्यानिवास मिश्र 17. भारतीय साहित्य अवधारणा स्वरूप और समस्याएं –के सच्चिदानंद

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10X1=10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) - 3X3=9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) - 3X6=18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) - 3X11=33 अंक

M-A- Semester- III

Paper-V

दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगे –

CO-01- समकालीन जनसंचार माध्यमों से परिचित होंगे।

CO-02- दृश्य–श्रव्य माध्यम के स्वरूप समाचार लेखन आदि के आधारभूत परिचित होगे।

CO- 03 –हिन्दी भाषा के विकास में दृश्य–श्रव्य माध्यम की भूमिका से अवगत होंगे।

CO-04- हिन्दी में कम्प्यूटर एवं इंटरनेट के अनुप्रयोग से अवगत होंगे।

CO-05- दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन की सम्पूर्ण समझ विकसित होगी।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓	✓	✓	✓	✓				
PO2									
PO3									
PO4									
PO5									
PO6				✓	✓				
PO7									
PO8									
PO9	✓			✓	✓				
PO10	✓			✓					
PO11									

Paper-V

COURSE CODE:HNDC 04	COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITTLE दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन	
CREDIT: THEORY 6 PRACTICAL:NA	HOUR:90 THEORY:90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY:70+30 PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:

UNIT-1 18 HOURS	समकालीन जनसंचार माध्यम 1. मुद्रित माध्यम, 2. टेलीविजन 3. रेडियो 4. सिनेमा 5. इन्टरनेट 6. पारंपरिक संचार ।
UNIT-2 18 HOURS	माध्यम लेखन (मीडिया राइटिंग) के प्रमुख प्रकार – 1. समाचार लेखन, 2. फीचर (अखबारी फीचर, रेडियो फीचर, टी.वी. फीचर 3. रिपोर्ताज 4. साक्षात्कार 5. परिचर्चा 6. संस्मरण 7. रेखांकन 8. पटकथा 9. संवाद 10. रेडियो वार्ता 11. ध्वनि नाटक 12. समीक्षा 13 कार्टून 14. ग्राफिक्स 15. प्रोफाइल आर्ट और फीचर सिण्डीकेट ।
UNIT-3 18 HOURS	व्यावसायिक लेखन मीडिया लेखन की प्रमुख संस्थाएँ। माध्यम लेखन की भाषिक संरचना । श्रव्य माध्यम (रेडियो) की भाषिक प्रकृति, मानक वर्तनी, लिपि, उच्चारण एवं व्याकरण, ध्वनि संयोजन ।
UNIT-4 18 HOURS	हिन्दी भाषा के विकास में रेडियो का अवदान विजुअल रेडियो की संकल्पना । श्रव्य, दृश्य पाठ्य माध्यम के रूप में टेलीविजन का विकास, दृश्य भाषा की विशेषताएँ । कैमरे की भाषा और देहभाषा । इण्टरनेट में सामग्री का अनुसृजन ।
UNIT-5 18 HOURS	प्रमुख हिन्दी धारावाहिकों, वृत्तचित्रों एवं फिल्मों के आधार पर मीडिया की भाषिक संवेदना का विश्लेषण। मीडिया लेखन की समस्याएँ और व्यावहारिक समाधान ।
अनुशंसित ग्रंथ	1. मीडिया लेखन -सुमित मोहन 2. फीचर लेखन -डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ 3. फीचर लेखन -स्वरूप और शिल्प -डॉ. मनोहर प्रभाकर 4. समाचार फीचर लेखन एवं सम्पादन कला -डॉ. हरिमोहन 5. हिन्दी फिल्मों में साहित्यिक उपादान -डॉ. विश्वनाथ मिश्र

	6. हिन्दी इण्टरव्यू : उद्भव और विकास -डॉ. विष्णु पंकज 7. हिन्दी समाचर बुलेटिन (भाषा के कुछ आयाम) -भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली.
	8. हिन्दी विज्ञान पत्रकारिता- मनोज कुमार पटेरिया 9. साक्षात्कार – मनोज कुमार 10. भेटवार्ता और प्रेस कान्फ्रेंस -डॉ नन्द किशोर त्रिखा 11. व्यावसायिक हिन्दी -डॉ. एस. एम. शुक्ल 12. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पाठ्य सामग्री। 13. फोटो पत्रकारिता- डॉ. गुलाब कोठारी 14. सामाजिक सर्वेक्षण –अनुसंधान की अन्वेषण पद्धतियों–डॉ. सी. एल. शर्मा 15. मीडिया शोध – प्रो. मनोज दयाल 16. संचार और विकास–श्यामाचरण दुबे प्रकाशन विभाग 17. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता –डॉ. हरिमोहन 18. टेलीविजन की दुनिया–प्रभु झिंगरन 19 संचार क्रान्ति और हिन्दी पत्रकारिता –डॉ. अशोक कुमार शर्मा 20. दूरदर्शन हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग– डॉ कृष्ण कुमार रत्तू 21. जनसंचार और पत्रकारिता– डॉ. राकेश शर्मा 22. संचार माध्यम पत्रिका –भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली। 23. संस्कृति विकास और संचार क्रांति –पूरनचंद्र जोशी 24. दूरदर्शन सिनेमा –अभय छजलानी 25. रेडियो डाक्यूमेन्ट्री – सत्यप्रकाश हिन्दवाण

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10X1=10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) - 3X3=9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) - 3X6=18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) - 3X11=33 अंक

M.A. Semester-III

Paper-V

हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगे–

CO-01-नाटक एवं रंगमंच के विकासक्रम की जानकारी प्राप्त होगी।

CO-02-संवादकला / वक्तृत्व कला का विकास होगा।

CO-03- अभिनय कला का विकास होगा।

CO-04-भाषा / अभिव्यक्ति कौशल और पटकथा लेखन के ज्ञान का विकास होगा।

CO-05-रंगमंचीय प्रयोगों के माध्यम से भाषा शिक्षण पर जोर एवं साहित्यिक अभिरूचियों का विकास होगा।

CO-06-विभिन्न नाटककारों से परिचित होंगे तथा तुलनात्मक अध्ययन कर विवेचन कर सकेंगे।

CO-07-विद्या विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझेंगे एवं मूल्यांकन की क्षमता विकसित होगी।

CO-08-हिन्दी नाटक एवं रंगमंच के क्षेत्र में शोध के नये आयाम विकसित होगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓			✓	✓		✓		
PO2		✓		✓					
PO3	✓		✓	✓	✓	✓	✓		
PO4							✓	✓	
PO5									
PO6									
PO7									
PO8		✓	✓	✓					
PO9		✓	✓	✓					
PO10									
PO11					✓		✓		

M.A. Semester-III

Paper-V

COURSE CODE:HNDC 05	COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITTLE हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	
CREDIT: THEORY 6 PRACTICAL:NA	HOUR:90 THEORY:90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY:70+30 PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:
UNIT-1 18 HOURS	हिन्दी नाटक का उद्भव विकास, नाटक के भेद एवं तत्व प्रमुख एकांकी -औरंगजेब की आखरी रात -रामकुमार वर्मा विष कन्या -गोविन्द बल्लभ पन्त
UNIT-2 18 HOURS	अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
UNIT-3 18 HOURS	ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद
UNIT-4 18 HOURS	अंधा युग – धर्मबीर भारती
UNIT-5 18 HOURS	आधे–अधूरे – मोहन राकेश

अनुशंसित ग्रंथ	1. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा 2. पहला रंग – देवेंद्र नाथ अंकुर 3. रंगपरपरा – नेमीचंद्र जैन 4. एकांकी सप्तक – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि 5. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन –जगन्नाथ शर्मा 6. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान –वशिष्ठनारायण त्रिपाठी – 7. हिंदी नाट्यशास्त्र का स्परूप –डॉ. नरबदेश्वर राय 8. रंग हवीन – भारत रत्न भार्गव 9. नाटक और रंग परिकल्पना –डॉ. गिरीश रस्तोगी 10. समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना –डॉ. गिरीष रस्तोगी 11. रंगमंच और नाटक की भूमिका –लक्ष्मीनारायण लाल 12. हिंदी नाटक –बच्चन सिंह 13. भारतीय नाट्य साहित्य – डॉ नगेंद्र 14. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच समस्या और उपलब्धि– डॉ ओ पी शर्मा 15. हिन्दी नाट्य साहित्य के चतुः स्तम्भ – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10X1=10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) - 3X3=9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) - 3X6=18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) - 3X11=33 अंक

M.A. Semester-III

Paper-V

लोक साहित्य

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदशन करने में समर्थ हो सकेंगे–

CO-01- लोक साहित्य के स्वरूप तथा उसके अध्ययन के महत्व से परिचित होंगे।

CO-02- लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं से अवगत होंगे।

CO-03- लोक साहित्य का सामजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय तथा भाषा शास्त्रीय दृष्टि से महत्व समझ सकेंगे।

CO-04- लोक साहित्य के क्षेत्र में शोध के लिए प्रेरित होंगे।

CO-05- वैश्वीकरण के युग में अपने अंचल विशेष को प्रभावी रूप से लेकर वैश्विक संदर्भ से जुड़ सकेंगे ।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓	✓	✓		✓				
PO2	✓	✓	✓						
PO3			✓		✓				
PO4				✓					
PO5					✓				
PO6									
PO7			✓						
PO8			✓						
PO9				✓					
PO10									
PO11			✓	✓	✓				

M.A. Semester-III

Paper-V

COURSE CODE:HNDC 05 COURSE TYPE: ECC/CB	
COURSE TITTLE **लोक साहित्य**	
CREDIT: THEORY 6 PRACTICAL:NA	HOUR:90 THEORY:90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY:70+30 PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:
UNIT-1 18 HOURS	'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति, स्वरूप, लोक साहित्य का स्वरूप, परिभाषाएँ तथा विशेषताएँ, लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य में साम्य भेद, लोकवार्ता का स्वरूप,
UNIT-2 18 HOURS	लोक साहित्य का सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय तथा भाषा शास्त्रीय दृष्टि से महत्व, लोक साहित्य और अन्य ज्ञानशाखाओं का परस्पर संबंध – इतिहास, पुरातत्व, मानव विज्ञान, समाज विज्ञान, मनोविज्ञान, भाषा विज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र, धर्मशास्त्र, लोक साहित्य संकलन : उद्देश्य संकलन की पद्धतियों, संकलनकर्ता की क्षमताएँ, संकलनकर्ता के लिए उपयुक्त साधन सामग्री संकलनकर्ता की समस्याएँ व समाधान
UNIT-3 18 HOURS	**क– लोकगीत** : परिभाषाएँ, विशेषताएँ और प्रेरणा स्त्रोत, लोकगीत और शिष्टगीत में अंतर, लोकगीतों के वर्गीकरण की पद्धतियाँ, लोकगीतों का परिचय– सोहर, मुंडन, विवाह, गौना, होली सावनगीत आदि, गड़रिया, चक्की की ओवियाँ, पबाड़ा, लावनी आदि; **ख – लोकगाथा:** परिभाषाएँ एवं स्वरूप, लोकगाथा के उत्पत्ति विषयक सिद्धांत, किसी एक लोक का सामान्य परिचय –ढोला–मारू रा दूहा, नल – दमयंती, लैला – सोहनी महिवाल, लोरिक – चंदा, मंजनू, हीर राँझा. **ग– लोककथा :** परिभाषा एवं स्वरूप, विशेषताएँ, लोककथा में अभिप्राय का महत्व, लोककथा के उत्पत्ति विषयक सिद्धांत, लोककथाओं का वर्गीकरण **घ– लोकनाट्य :** परिभाषा एवं स्वरूप, विशेषताएँ, लोकनाट्य और शास्त्रीय नाटक में अंतर, लोकन का परिचय 1 तमाशा, गोंधल ।

	रामलीला, रासलीला, कीर्तन, यक्षगान, जात्रा, भवाई, ख्याल, माच, नौटंकी, कुचीपु
UNIT-4 18 HOURS	**क– प्रकीर्ण लोकसाहित्यः** मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ, मुकरियाँ, सूक्तियाँ, ढकोसले, चुटकुले, मंत्र, टोन आदि का परिचय **ख – लोक साहित्य का कलापक्षः** भावव्यंजना, रसपरिपाक, भाषा, अलंकार–योजना, छंद–विधान, प्रतीकात्मकता आदि दृष्टियों से विवेचन

UNIT-5	छत्तीसगढ़ का लोक साहित्य (छत्तीसगढ़ी, सरगुजिया, हल्बी, गोंडी, कुरुख)
अनुशंसित ग्रंथ	1. लोक का आलोक – सं. पीयूष दहिया 2. लोक – सं. पीयूष दहिया 3. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येंद्र 4. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ. धीरेंद्र वर्गा 5. लोक साहित्य का अध्ययन – त्रिलोचन पाण्डेय. 6. हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (सोलहवाँ भाग) –नागरी प्रचारिणी सभा 7. ग्रामगीत रामनरेश त्रिपाठी –अनुशंसित 8. भोजपुरी लोकसाहित्य – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय 9. भारतीय लोक साहित्य – डॉ. श्याम परमार 10. लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग – डॉ श्रीराम शर्मा 11. लोक साहित्य के प्रतिमान – डॉ. कुंदनलाल उप्रेती 12. खड़ी बोली का लोकसाहित्य –डॉ. सत्यगुप्त 13. लोकवार्ता और लोकगीत – डॉ. सत्येंद 14. भोजपुरी साहित्य का इतिहास (स) – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि 15. बघेली साहित्य का इतिहास – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10X1=10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) - 3X3=9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) - 3X6=18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) - 3X11=33 अंक

DEPARTMENT OF HINDI

M.A IN HINDI

FACULTY OF ARTS

- **FOURTH SEMESTER** (EVEN SEMERSTER)

Eligibility Ceteria (Qualifying exam)	Course Code	Course Type	Course(paper/subject)	Credit	Contact Hours per week			EoSE Duration (Hrs)	
					L	T	P	Thy	P
	HND 401	CCC	भारतीय साहित्य	06	4	3	00	3	00
	HND 402	CCC	हिन्दी पत्रकारिता	06	4	3	00	3	00
	HND 403	CCC	प्रयोजनमूलक हिंदी	06	4	3	00	3	00
	HND 421	SSC	लघु शोध प्रबंध	06	00	00	9	00	4
	HND 01	ECC/CB	प्रायोगिक एवं मौखिकी	06	4	3	00	3	00
	HND 02	ECC/CB	भारतीय मूलभाषा पालि						
	HND 03	ECC/CB	अनुवाद विज्ञान						
	HND 04	ECC/CB	कोश विज्ञान						
	HND 05	ECC/CB	पाठालोचन						
	HND 06	ECC/CB	भाषा शिक्षण						
	MINIMUN CREDITS IN INDIVIDUAL SUBJECT IS 6 AND IN COMPLETE SEMESTER IT WOULD BE 30			TOTAL= 30					

M.A. Semester- IV

Paper-1

भारतीय साहित्य

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगे–

CO-01-देश की विभिन्न भाषाओं के साहित्य से परिचित हो सकेंगे।

CO-02-भारत के बहुभाषाभाषी समाज और उसकी संस्कृतियों से परिचित हो सकेंगे

CO-03-हिन्दी के साथ–साथ संथाली, गुजराती, कश्मीरी और तमिल भाषा की कविताओं के स्वरूप का ज्ञान होगा।

CO-04- उक्त सभी भाषाओं की कविताके काव्य शिल्प और संवेदना को समझ सकेंगे।

CO-05- कन्नड़ नाटक का उद्‌भव एवं विकासक्रम का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO-06-नाटक के अध्ययन से नाटकीय कला एवं तत्वों से परिचित हो सकेंगे।

CO-07-बंगला उपन्यास के उद्‌भव विकास की जानकारी प्राप्त होगी।

CO-08-बंगला उपन्यास के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक परिवेश से परिचित हो सकेंगे।

CO-09- भारतीय भाषाओं के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन एवं विवेचन कर सकेंगे।

CO-10- विभिन्न भाषाओं के अध्ययन से नवीन शोध– दृष्टि विकसित हो सकेगी

CO-11- रचनात्मक विचार एवं सृजन धर्म का विकास होगा।

CO-12-सम्पूर्ण मानव जगत की मानवता एवं जीवन मूल्यों से परिचित होंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9	CO 10	CO 11	CO 12
PO1	✓		✓	✓	✓	✓						
PO2	✓		✓	✓	✓	✓	✓					
PO3				✓		✓					✓	
PO4			✓	✓					✓	✓	✓	
PO5		✓	✓					✓				
PO6												
PO7												✓
PO8				✓								
PO9												
PO10												
PO11		✓	✓					✓				

M.A. Semester- IV

Paper-1

COURSE CODE:HNDC401	COURSE TYPE:CCC
COURSE TITTLE **भारतीय साहित्य**	
CREDIT: THEORY 6 PRACTICAL:	HOUR:90 THEORY:90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY:70+30 PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:

UNIT-1 18 HOURS	1. भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप विवेचन 2. भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय 3. भारतीय साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियों 4. भारतीयता का समाजशास्त्र
UNIT-2 18 HOURS	निम्नांकित भाषाओं के कवियों एवम् उनकी रचनाओं का सामान्य परिचय 1. **संथाली** –निर्मला पुतुल- बिटिया मुर्मू के लिये तीन कविताएँ (1,2,3) **2.गुजराती** -उमाशंकर जोशी - शब्द, वर दे इतना, छोटा मेरा खेत सितांशु यशचंद - आशीर्वाद, कुँआ संस्कृति रानी देसाइ - सूर्य ही सूर्य, ढोल **3. कश्मीरी** -जिन्दा कौल - घर जाओ, नाविक मुझे और मेरे ग्रामवासियों को ले चलो मुजफ्फर आजिम - गजल मोतीलाल 'साकी' - बाँसुरी वादक चन्द्रकांता - निष्कासितों की बस्ती में **4तमिल–** सुब्रमण्यम भारती - स्वतंन्त्रता, नाचेंगे हम, तानाशाह जार का पतन वैरमुत्तु - भूमि पर आये नव शताब्द हे, ज्ञानाग्नि पाप्रिया - अनुवाद **5.हिन्दी–** मुक्तिबोध - मुझे पुकारती हुई पुकार धूमिल - प्रौढ़ शिक्षा
UNIT-3 18 HOURS	गिरीश कर्नाड -हयवदन (कन्नड नाटक)
UNIT-4 18 HOURS	महाश्वेता देवी अग्निगर्भ (बांग्ला उपन्यास
UNIT-5 18 HOURS	बांग्ला साहित्य का संक्षिप्त इतिहास एवं हिन्दी और बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, जिसमें बांग्ला साहित्य के साथ हिन्दी को जोड़कर अध्ययन करना होगा, सामान्यतः यहअध्ययन साहित्य के इतिहास से संबंधित होगा।

अनुशंसित ग्रंथ	1.भारतीय साहित्य -सं. डॉ. नगेंद्र 2.भारतीय साहित्य का इतिहास– डॉ. बलदेव उपाध्याय 3.भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय 4.भागवत सम्प्रदाय – डॉ. बलदेव उपाध्याय 5. सूफीमत – साधना और साहित्य डॉ. रामपूजन तिवारी 6. संस्कृति के चार अध्याय – दिनकर 7. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा

	8. भारतीय चिंतन परंपरा - के. दामोदरन 9. आधुनिक भारतीय चिंतन– डॉ. विश्वनाथ 10. आज का भारतीय साहित्य- सं. साहित्य अकादमी 11. बंगला साहित्य का इतिहास – डॉ. बनर्जी 12. हिंदी साहित्य के विकास में दक्षिण का योगदान- सं. रेड्डी राव/ अप्पल राजु 13.भारतीय साहित्यकारों से साक्षात्कार -डॉ. रणवीर संग्रा 14. भारतीय साहित्य विमर्श- सं. रामजी तिवारी 15. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास -सं डॉ. नगेंद्र 16. भारतीयता की पहचान -डॉ. विद्यानिवास मिश्र 17. संस्कृति की उत्तरकथा- शम्भुनाथ 18. भारतीय साहित्य अवधारणा स्वरूप और समस्याएँ -के सच्चिदानंद 19. आधुनिक भारतीय कविता -सं डॉ. नन्दकिशोर पाण्डेय विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10X1=10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) - 3X3=9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) - 3X6=18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) - 3X11=33 अंक

M.A. Semester- IV

Paper-II

हिन्दी पत्रकारिता

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO-01- हिन्दी पत्रकारिता के स्वरूप एवं विकासक्रम से परिचित होंगे।

CO-02-हिन्दी में कम्प्यूटर की अनुप्रयोग विधि से अवगत होंगे।

CO-03- विभिन्न क्षेत्रों में हिन्दी के कार्य साधक प्रयोग की कुशलता में वृद्धि होगी।

CO-04- हिन्दी के प्रमुख पत्र पत्रिकाओं के स्वरूप महत्व एवं योगदान को जान सकेंगे।

CO-05-हिन्दी के प्रमुख पत्रकार एवं उनकी पत्रकारिता से अवगत हो सकेंगे।

CO-06-समाचार लेखनकला के सैद्धांतिक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे ।

CO-07- साहित्यिक परिप्रेक्ष्य में पत्रकारिता की प्रासंगिता को समझ सकेंगे।

CO-08- पत्रकारिता के क्षेत्र में नवीन दृष्टिकोण विकसित होगा।

CO-09-हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका से अवगत होगे।

CO-10- हिन्दी पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी साहित्यकारों के अवदान से परिचित होंगे।

CO-10- पत्रकारिता के क्षेत्र की संपूर्ण समझ विकसित हो सकेगी।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9	CO10	CO11
PO1	✓					✓	✓	✓	✓		✓
PO2											
PO3											
PO4											
PO5											
PO6											
PO7											
PO8											
PO9		✓				✓				✓	
PO10											
PO11											

M.A. Semester- IV

Paper-II

COURSE CODE:HNDC 02 COURSE TYPE: ECC/CB	
COURSE TITTLE **हिन्दी पत्रकारिता**	
CREDIT: THEORY 6 PRACTICAL:NA	HOUR:90 THEORY:90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY:70+30 PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:
UNIT-1 18 HOURS	हिंदी पत्रकारिता का उदभव और विकास सामान्य रूपरेखा ।
UNIT-2 18 HOURS	प्रमुख पत्र- उदंत मार्तण्ड कविवचन सुधा, हिंदी प्रदीप सरस्वती कर्मवीर प्रताप, हंस, माधुरी,मतवाला ।
UNIT-3 18 HOURS	पत्रकार- भारतेंदु हरिश्चंद्र, बालकृष्ण भट्ट, महामना मदन मोहन मालवीय, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बाबूराव विष्णुराव पराड़कर, गणेश शंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी ।
UNIT-4 18 HOURS	समाचार की परिभाषा, समाचार संकलन और संपादन, समाचार के विभिन्न स्रोत । भेंटवार्ता के प्रकार और उनकी प्रविधि, शीर्षक कला, फीचर लेखन, स्वरूप और उद्देश्य, समाचार लेख संपादन, संपादकीय लेख तथा टिप्पणियों का लेखन, समाचार पत्र की साज–सज्जा, प्रूफ संशोधन, मुद्रण कला का सामान्य ज्ञान ।
UNIT-5 18 HOURS	पत्रकारिता का व्यावहारिक ज्ञान, समाचार कैसे बनाएं शीर्षक कैसे दें अनुवाद की प्रविधि, संक्षिप्तिकरण, संपादकीय लेखन और टिप्पणीलेखन का अभ्यास, पत्रों के विभिन्न स्तम्भ संशोधन, पत्र की साज–सज्जा, मुखपृष्ठ की साज–सज्जा कैसे आकर्षक बने।

अनुशंसित ग्रंथ	1. हिंदी समाचार पत्रों का इतिहास– अंबिका प्रसाद वाजपेयी 2. संपूर्ण पत्रकारिता– हेरस्व मिश्र 3.पत्र और पत्रकार –कमलापति त्रिपाठी 4. हिंदी पत्रकारिता –कृष्णबिहारी मिश्र – 5. संपादन कला –के.पी. नारायण 6.पत्रकारकला –विष्णुदत्त शुक्ल 7. पत्र संपादन कला –नंदकिशोर त्रिखा 8. मुद्रण कला– प्रभुल्ल चंद ओझा 9. हिंदी पत्रकारिता –विविध आयाम– सं. वेदप्रताप वैदिक 10.हिंदी पत्रकारिता संकट और संत्रास –हेरम्ब मिश्र 11. सम्पूर्ण पत्रकारिता –डॉ. अर्जुन तिवारी 12. आधुनिक पत्रकारिता– डॉ. अर्जुन तिवारी 13. समाचार और संवाददाता –काशीनाथ 14. पाठ्यग्रन्थ पत्रकारिता सिद्धान्त और प्रयोग डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10X1=10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) - 3X3=9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) - 3X6=18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) - 3X11=33 अंक

M.A. Semester-IV

Paper-III

प्रयोजन मूलक हिन्दी

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO-01- हिन्दी भाषा के विविध रूपों से परिचित होगे।

CO-02- कार्यालयीन हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकारों एवं उसके स्वरूप से अवगत होंगे।

CO-03- पारिभाषिक शब्दावली के स्वरूप महत्व एवं उसके निर्माण के सिद्धांत से अवगत होंगे।

CO-04- पत्रकारिता के स्वरूप पत्रकार समाचार पत्र लेखनकला के आधारभूत तत्व से परिचित होंगे।

CO-05- विभिन्न संचार माध्यमों के स्वरूप उसकी भाषा की प्रकृति तथा उसकी उपयोगिता को समझ सकेंगे।

CO-06- सोशल मीडिया फेश बुक, ट्विटर इंटरनेट आदि की उपयोगिता को समझ सकेंगे।

CO-07- कम्प्यूटर का सामान्य परिचय तथा व्यावहारिक जीवन में कम्प्यूटर प्रयोजनीयता की समझ में वृद्धि होगी।

CO-08- हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका को समझ सकेंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1									
PO2	✓	✓							
PO3									
PO4									
PO5									
PO6						✓	✓		
PO7									
PO8								✓	
PO9									
PO10									
PO11									

M.A. Semester-IV

Paper-III

COURSE CODE:HNDC 02 COURSE TYPE: CCC		
COURSE TITTLE **प्रयोजन मूलक हिन्दी**		
CREDIT: THEORY 6 PRACTICAL:NA		HOUR:90 THEORY:90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY:70+30 PRACTICAL:		MARKS THEORY: PRACTICAL:
UNIT-1 18 HOURS	इकाई प्रथम –	हिंदी भाषा और उसके प्रयोजनमूलक रूप क– हिंदी भाषा के विविध रूप सामान्य भाषा, मातृभाषा, माध्यम भाषा संपर्क भाषा, अंतरराष्ट्रीय भाषा। ख– हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप प्रयोजनमूलक हिंदी परिभाषा एवं स्वरूप, प्रयोजनमूलक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ ।
UNIT-2 18 HOURS	कार्यालयी, वाणिज्य–व्यवसाय की हिंदी	क. राजभाषा हिंदीः संवैधानिक प्रावधान, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य ख.कार्यालयी हिंदी स्वरूप और विशेषताऐं ग– कार्यालयी लेखन स्वरूप प्रकार टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन, अभ्यास घ– सरकारी पत्राचार स्वरूप प्रकार प्रारूप परिपत्र, ज्ञापन, कार्यालय आदेश, अर्द्ध सरकारी पत्र । ड– व्यावसायिक पत्रलेखनः स्वरूप, प्रकार, प्रारूप–आवेदनपत्र, नियुक्ति पत्र, माँगपत्र, साख पत्र, शिकायत पत्र
UNIT-3 18 HOURS	मीडिया लेखन :–क– जनसंचार :– स्वरूप, महत्व और विभिन्न माध्यमों का परिचय। ख– श्रव्य माध्यम लेखन : स्वरूप और विशेषताएँ, समाचार लेखन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा, फीचर लेखन ।	

	ग– दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखनः स्वरूप और विशेषताएँ, पटकथालेखन, टेलीड्रामा, निवेदन, डॉक्यू ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्य विधाओं का रूपांतरण। घ– विज्ञापन लेखन : विज्ञापन का स्वरूप और महत्व, विशेषताएँ, विज्ञापन लेखन ।
UNIT-4 18 HOURS	कम्प्यूटर, इंटरनेट और हिंदी : क कम्प्यूटरः परिचय, रूपरेखा, हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का सामान्य परिचय ख– वेब पब्लिशिंग । ग– इंटरनेट का सामान्य परिचय घ– हिंदी में उपलब्ध सुविधाओं का परिचय और उपयोग ड–इंटरनेट पोर्टल, डाउन लोडिंग अपलोडिंग,लिंक ब्राउजिंग, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज आदि ।
UNIT-5 18 HOURS	अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार के सिद्धांत पक्ष 1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि। 2. कार्यालयी हिंदी और अनुवाद। 3. वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद ख– व्यावहारिक पक्ष 1. कार्यालयी अनुवाद, कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली. प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभागः । 2. विभिन्न भाषाओं के पत्रों का अनुवाद। 2. बँक– साहित्य के अनुवाद का अभ्यास । 3. ग– हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका ।
अनुशंसित ग्रंथ	प्रयोजनमूलक हिंदी –विनोद गदरे 2. प्रयोजनमूलक हिंदी– विनोद शाही 3. प्रयोजनमूलक हिंदी –डॉ. दंगल झाल्टे 4. हिंदी भाषा की संरचना– डॉ. भोलानाथ तिवारी 5. मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण –डॉ. रमेशचंद्र मल्होत्रा 6. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धान्त और प्रयोग– डॉ. दंगल झाल्टे 7. हिंदी विविध व्यवहारों की भाषा –सुवास कुमार 8. कामकाजी हिंदी– डॉ. कैलाशचंद भाटिया 9. व्यावहारिक हिंदी – कृष्ण विकल 10. व्यावसायिक हिंदी –डॉ. दिलीप सिंह 11. पारिभाषिक शब्दावली कुछ समस्याएँ –सं. डॉ. भोलानाथ तिवारी 12. सम्पर्क भाषा हिंदी –सं. सुरेश कुमार एवं ठाकुर दास

13. बैंकिंग हिंदी पाठ्यक्रम –सं. कृष्ण कुमार गोस्वामी
14. भाषा आंदोलन –सेठ गोविंददास
15. प्रशासनिक हिंदी निपुणता –हरिबाबू कंसल
16. आवेदन प्रारूप –डॉ. एस. एन. चतुर्वेदी
17. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार –चंद्रप्रकाश मिश्रा
18. अनुवाद सिद्धांत व्यवहार –जयंती प्रसाद नौटियाल
19. अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग– जी. गोपीनाथ
20. पटकथा लेखन एक परिचय –मनोहर श्याम जोशी
21. कम्प्यूटर और हिंदी –डॉ. हरिमोहन
22 मीडिया लेखन सिद्धांत और व्यवहार –डॉ. चंद्रप्रकाश
23. मीडिया लेखन संपा.– रमेशचंद्र त्रिपाठी
24. भारतीय मीडिया अंतरंग पहचान– संपा. स्मिता मिश्र
25. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी– डॉ. ओमप्रकाश सिंहल
26. प्रशासनिक हिंदी टिप्पण. प्रारूपण और पत्र लेखन –डॉ. हरिमोहन
27. सरकारी कार्यालय में हिंदी का प्रयोग– डॉ. गोपीनाथ श्रीवास्तव
28. दूरदर्शनः दशा और दिशा– सुधीर पचौरी
29. जनमाध्यम और मास कल्चर– जगदीश्वर चतुर्वेदी
30. देवनागरी में यांत्रिक सुविधाए ँ राजभाषा विभाग –
31. दृक–श्राव्य माध्यम लेखन –डॉ. राजेन्द्र मिश्र
32. दूरदर्शनः हिंदी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग– डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू
33. राजभाषा हिंदी– डॉ. कलाशचंद्र भाटिया
34. संवाद और संवाददाता –डॉ. राजेन्द्र श्याम मनोहर जोशी
35. साक्षात्कार –श्याम मनोहर जोशी
36. प्रेस कॉनफ्रेंस और भेटवार्ता – डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
37. संपादन कला एवं प्रूफ पठन– डॉ. हरीमोहन
38. समाचार, फीचर लेखन तथा संपादन कला –डॉ. हरीमोहन –
39. सूचना, प्रौद्योगिकी और जनमाध्यम –डॉ. हरीमोहन –
40. प्रशासनिक और व्यावहारिक पत्रव्यवहार (खण्ड1 व 2) – ए.ई. विश्वनाथ अय्यर

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10X1=10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) - 3X3=9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) - 3X6=18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) - 3X11=33 अंक

COURSE CODE:HNDC 421 COURSE TYPE: SSC	
COURSE TITTLE **लघु शोध प्रबंध**	
CREDIT:	HOUR:90

THEORY 6 PRACTICAL:NA	THEORY:90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY:70+30 PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:

90 HOURS	स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के पाठ्य विषयों (कोर्सों) में से किसी एक विशेष क्षेत्र छात्र– छात्रा की रुचि को ध्यान में रखकर प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग द्वारा प्रदत्त शोध विषय पर उसे निर्धारित प्राध्यापकों के निर्देशन में अनुसंधान प्रविधि का उपयोग करते हुए कार्य करना होगा। अनुमानतः 50 (पचास) पृष्ठों में अंकित लघु शोध प्रबंध अलग–अलग तीन प्रतियों में छात्र–छात्रा को सत्रान्त परीक्षा प्रारम्भ होने के कम–से–कम दो सप्ताह पूर्व विभाग में मूल्यांकनार्थ प्रस्तुत करना अनिवार्य होना इसका मूल्यांकन विभाग के एक सम्बद्ध प्राध्यापक (आन्तरिक परीक्षक) और एक बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा। उनके द्वारा प्रदत्त अंकों का औसत लब्धांक पत्र (मार्कसीट) में अंकित होगा। लघु शोध प्रबंध 70 (सत्तर) अंक का होगा तथा आंतरिक परीक्षक एवं बाह्य परीक्षकों के द्वारा मूल्यांकित अंक 30 निर्धारित होगा।

COURSE CODE:HNDD 01 COURSE TYPE: ECC/CB	
COURSE TITTLE **प्रायोगिक एवं मौखिकी**	
CREDIT: THEORY 6 PRACTICAL:NA	HOUR:90 THEORY:90 PRACTICAL:

MARKS: THEORY:70+30 PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:
90 HOURS	तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर से सम्बन्धित विभिन्न पाठ्य–विषयों (कोर्सों) पर आधारित कार्य और मौखिकी परीक्षा होगी। छात्र–छात्राओं को प्रायोगिक कार्य से संबंधित प्राध्यापकों के निर्देशन में पाठ्य विषय से अभ्यास कार्य का लेखन–सृजन करना होगा। विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक पाठ्य विषय से दो–दो अभ्यास कार्य प्राध्यापक के निर्देशन में सुस्पष्ट लेखन अथवा टंकण करवा कर सत्रान्त परीक्षा के दो सप्ताह पूर्व विभाग में प्रस्तुत करना होगा। अभ्यास कार्य में विषय के सैद्धान्तिक और व्यावहारिक पक्षों की गहरी समझ, व्यवसायिक तथा सामाजिक पक्ष का ज्ञान, सामाजिक सरोकारों से जुड़ाव, दृश्य श्रव्य माध्यम की समझ, सौंदर्य बोध और अन्तर्दृष्टि, रंगकर्म और अभिन्यास संबंधी तकनीकी ज्ञान, भाषा और अभिव्यक्ति कौशल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षकों द्वारा प्रायोगिक कार्य का मूल्यांकन करेंगे तदुपरान्त मौखिकी परीक्षाएं सम्पन्न होंगी। प्रायोगिक कार्य के लिए 70 अंक और मौखिकी के लिए 30 अंक निर्धारित होंगे।

M.A. Semester-IV

Paper-V

भारतीय मूल भाषा पाली

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगे–

CO-01- भारत की मूल भाषा एवं प्रादेशिक भाषाओं के अंगो एवं विभिन्न शाखाओं से परिचित होंगे।

CO-02- पाली भाषा के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत होंगे।

CO-03- भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकासक्रम से परिचित होंगे।

CO-04- मूलभाषा एवं प्रदेशिक भाषा के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरूप से अवगत

CO-05- भारतीय मूल भाषा पाली का सामाजिक, सांस्कृतिक दस्तावेज के रूप में समालोचनात्मक झुकाव होगा।

CO-06- विभिन्न भाषाओं का समालोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO-07- शोध के क्षेत्र में नये आयाम विकसित होगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1	✓	✓	✓	✓					
PO2									
PO3		✓		✓	✓	✓	✓		
PO4					✓				
PO5	✓								
PO6									
PO7									
PO8									
PO9									
PO10									
PO11	✓	✓		✓		✓			

M.A. Semester-IV

Paper-V

COURSE CODE:HNDC 02 COURSE TYPE: ECC/CB	
COURSE TITTLE **भारतीय मूल भाषा पाली**	
CREDIT: THEORY 6 PRACTICAL:NA	HOUR:90 THEORY:90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY:70+30 PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:
UNIT-1 18 HOURS	यमक बग्गो, अप्प बग्गो, चित्त बग्गो, पुप्फ बग्गी पठ्यग्रंथ- पालिभाषा साहित्य और व्याकरण– डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
UNIT-2 18 HOURS	बाल बग्गो, अर्हन्त बग्गो, दण्ड बग्गो, जरा बग्गो
UNIT-3 18 HOURS	सुसुमार जातकम, बानरिंद जातकम, बक जातकम
UNIT-4 18 HOURS	सिहचम्म जातकम, नच्च जातकम, उलूक जातकम
UNIT-5 18 HOURS	पालिभाषा की ध्वनि व्यवस्था, संधि, समास, प्रत्यय, कारक, संख्या की परिगणना

	पाठ्यग्रंथ– पालिभाषा साहित्य और व्याकरण– डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

अनुशंसित ग्रंथ	1.पाली साहित्य का इतिहास – डॉ. भरत सिंह उपाध्याय । 2.पाली साहित्य का इतिहास –महापण्डित राहुल सांकृत्यायन । 3. पाली जातकावली – पण्डित बटुक नाथ शर्मा । 4. पाली व्याकरण - आचार्य कच्चायनदृ। 5 पाली व्याकरण – भदन्त आनन्द कौशलायन । 6. पालीभाषा : साहित्य और व्याकरण– डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि ।

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10X1=10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) - 3X3=9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) - 3X6=18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) - 3X11=33 अंक

M.A.Semester-IV

Paper-V

अनुवाद विज्ञान

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO-01- अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप एवं व्याप्ति से परिचित होंगे।

CO-02-अनुवाद के विविध रूप तथा अनुवाद प्रक्रिया से अवगत होंगे।

CO-03-अनुवाद करते समय आने वाली विभिन्न समस्याओं तथा उसके समाधान से परिचित होंगे।

CO-04- अनुवाद की क्षमता विकसित होगी।

CO-05- स्रोत भाषा के साहित्य से परिचित होंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1									
PO2									
PO3									
PO4									
PO5									
PO6									
PO7									
PO8									
PO9		✓							
PO10	✓	✓	✓	✓	✓				
PO11									

M.A.Semester-IV

Paper-V

COURSE CODE:HNDC 02 COURSE TYPE: ECC/CB	
COURSE TITTLE **अनुवाद विज्ञान**	
CREDIT: THEORY 6 PRACTICAL:NA	HOUR:90 THEORY:90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY:70+30 PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:

UNIT-1 18 HOURS	अनुवाद : व्युत्पत्ति, अर्थ और परिभाषा अनुवाद : विज्ञान, कला, शिल्प अथवा मिश्रित विधा अनुवाद प्रक्रिया विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन कोडीकरण प्रक्रिया और महत्व । पुनरीक्षण
UNIT-2 18 HOURS	अनुवाद और समतुल्यता का सिद्धांत अनुवादक की भूमिकाएँ। अनुवाद भाषा वैज्ञानिक और व्यावहारिक संदर्भ
UNIT-3 18 HOURS	अनुवाद के प्रकार लिप्यंकन, लिप्यंतरण, अंतःभाषिक, अंतरभाषिक रूपांतरण अथवा – प्रतीकांतरण, अर्थातरण, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद पूर्ण और आशिक अनुवाद, पाठ्यधर्मी और प्रभावधर्मी अनुवाद, आशु अनुवाद साहित्यिक अनुवाद पद्यानुवाद, गद्यानुवाद, नाट्यरूपांतरण मशीनी अनुवाद स्थिति, संभावनाएँ और सीमाएँ।
UNIT-4 18 HOURS	अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष और समस्याएँ: कोश का प्रयोग पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग, साहित्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद, विधि साहित्य का अनुवाद कार्यालयी सामग्री का अनुवाद, समाचारों का अनुवाद, बैंकिंग शब्दावली का अनुवाद द्य अनुवाद की सीमाएँ भाषिक संरचना और शैली, सांस्कृतिक शब्दावली, लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे, लाक्षणिक प्रयोग, साहित्यिक एवं साहित्येत्तर । अनुवाद की भारतीय और पाश्चात्य परंपरा : संक्षिप्त

UNIT-5 18 HOURS	अंग्रेजी से हिंदी (एक अनुच्छेद) सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक विषयों से संबंधित अनुच्छेद अथवा पत्र–पत्रिकाओं से संबंधित अनुच्छेद । वाक्यांश और शब्दावली का अनुवाद वाक्यांश अथवा पंद्रह शब्द ।

अनुशंसित ग्रंथ	1. अनुवाद विज्ञान –डॉ. भोलानाथ तिवारी 2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा– प्रो. सुरेश कुमार 3. कार्यालयी अनुवाद निर्देशिका –गोपीनाथ श्रीवास्तव 4. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग –श्री गोपीनाथन 5. हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद –आलोक कुमार रस्तोगी 6. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग –कलाशचंद्र भाटिया 7. अनुवाद कला –डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर 8. अनुवाद प्रक्रिया– रीता रानी पालीवाल 9. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण –डॉ. हरिमोहन

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10X1=10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) - 3X3=9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) - 3X6=18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) - 3X11=33 अंक

M.A. Semester- IV

Paper-V

कोश विज्ञान

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करन में समर्थ हो सकेंगेः–

CO-01- हिन्दी कोश निर्माण के इतिहास से परिचित होंगे।

CO-02- हिन्दी कोशों के विभिन्न रूप से अवगत हो सकेंगे।

CO-03- हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के इतिहास से परिचित होंगे।

CO-04- हिन्दी के प्रमुख कोश और कोशकार से अवगत होंगे।

CO-05- कोश निर्माण की प्रविधि को समझ सकेंगे।

CO-06- कोश निर्माण के क्षेत्र में नवाचारात्मक प्रयोग, नवीनतम शोध दृष्टि के साथ शोध प्रवृत्ति विकसित होगी।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1									
PO2	✓	✓	✓		✓	✓			
PO3									
PO4									
PO5									
PO6									
PO7									
PO8									
PO9					✓				
PO10									
PO11									

M.A. Semester- IV

Paper-V

COURSE CODE:HNDC 203 COURSE TYPE: CCC	
COURSE TITTLE **कोश विज्ञान**	
CREDIT: THEORY 6 PRACTICAL:NA	HOUR:90 THEORY:90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY:70+30 PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:
UNIT-1 18 HOURS	हिन्दी कोश निर्माण का इतिहास (नाममाला कोश से थिसारस तक) । हिन्दी कोशों के विभिन्न रूप– शब्द कोश (एकल, द्विभाषी, त्रिभाषी, बहुभाषी).
UNIT-2 18 HOURS	व्युत्पत्ति कोश, प्रयोगकोश, परिचय कोश, विश्वविज्ञान कोश, संदर्भ कोश, पात्र कोश, उद्धरण कोश, सूक्ति कोश, लोकोक्ति कोश, मुहावरा कोश, पर्याय कोश आदि ।
UNIT-3 18 HOURS	हिन्दी की पारभाषिक शब्दावली के निर्माण का इतिहास, शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया, वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली आयोग की भूमिका, हिन्दी के प्रमुख कोश और कोशकार,
UNIT-4 18 HOURS	संकेताक्षर निर्माण की समस्या, हिन्दी में प्रचलित कूट पद (कोड), जनपदीय भाषाओं बोलियों के शब्दकोशों की स्थिति ।
UNIT-5 18 HOURS	कोश निर्माण प्रविधि– प्रविष्टि संरचना, विभिन्न व्याकरणिक कोटियों का समायोजन, शब्दार्थ निरूपण । उपप्रविष्टियों /संकेताक्षर /संक्षेपताक्षर। कोश निर्माण संबंधी विभिन्न समस्याएं अनेकार्थता, विलोमता, समध्वन्यार्थत्मकता आदि ।

अनुशंसित ग्रंथ	1. कोश विज्ञान –डॉ. भोलानाथ तिवारी 2. कोश निर्माण : सिद्धान्त और परम्परा – डॉ. सुरेश कुमार 3. कोश विज्ञान –सुधा मंगेश कत्रे 4. हिन्दी कोश विज्ञान का उद्‌भव और विकास –डॉ. युगेश्वर 5. कोश–विज्ञान सिद्धान्त और प्रयोग –डॉ. हरदेव बाहरी 6. कोश– विज्ञान सिद्धान्त एवं मूल्यांकन –सं. सतीश कुमार रोहरा एवं पीताम्बर 7. पारिभाषिक शब्दावली कुछ समस्याएं .– स डॉ. भोलानाथ तिवारी एवं महेन्द्र चतुर्वेदी 8. राजभाषा हिन्दी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएं – डॉ. हरिमोहन 9. विज्ञान तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली द्वारा प्रकाशित विभिन्न बृहत् पारिभाषिक शब्दकोश ।

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10X1=10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) - 3X3=9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) - 3X6=18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) - 3X11=33 अंक

M.A.Semester-IV

Paper-V

पाठालोचन

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगेः–

CO-01- हिन्दी पाठानुसंधान के विकासक्रम से अवगत होंगे।

CO-02- पाठ की विभिन्न प्राचीन पद्धतियों से परिचित होंगे।

CO-03- पाठान्तरों की तुलनात्मक समझ विकसित होगी जिससे समालोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO-04- विभिन्न ग्रंथों के व्यावहारिक विवेचन की समझ विकसित होगी।

CO-05- हिन्दी पाठालोचन की प्रयोजनीयता से परिचित होंगे।

CO-06- पाठानुसंधान के क्षेत्र में नवाचारात्मक अध्ययन एवं नवीन शोध दृष्टि विकसित होगी।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9
PO1									
PO2	✓								
PO3									
PO4		✓	✓	✓	✓				
PO5									
PO6									
PO7									
PO8									
PO9									
PO10									
PO11									

M.A.Semester-IV

Paper-V

COURSE CODE:HNDC 203 COURSE TYPE: ECC/CB	
COURSE TITTLE **पाठालोचन**	
CREDIT: THEORY 6 PRACTICAL:NA	HOUR:90 THEORY:90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY:70+30 PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:
UNIT-1 18 HOURS	पाठ की अवधारणा, पाठ की विभिन्न प्राचीन भारतीय पद्धतियाँ । पाठानुसंधान- आधारभूत सामग्री की खोज, पांडुलिपि परीक्षण, पुष्पिका का विवेचन, पाठान्तरों का तुलनात्मक अध्ययन, प्रक्षेपों की पहचान, लिपि विज्ञान तथा पाठ निर्धारण की प्रक्रिया, प्रामाणिक पाठ का संपादन,
UNIT-2 18 HOURS	पाठालोचन की प्रमुख पद्धतियाँ – व्याकरणिक, शैली वैज्ञानिक संरचनावादी, सौंदयशास्त्री, रूप विज्ञान परक ।
UNIT-3 18 HOURS	हिन्दी पाठानुसंधान का विकास क्रम। पाठालोचन के मानक ग्रंथ – 1. आचार्य विश्वनाथ मिश्र कृत रामचरित मानस का काशिराज संस्करण
UNIT-4 18 HOURS	डॉ.वासुदेव शरण अग्रवाल कृत पदमावत का व्यावहारिक विवेचन
UNIT-5 18 HOURS	डॉ.माताप्रसाद गुप्त कृत कान्हावत का व्यावहारिक विवेचन। हिन्दी पाठालोचन की प्रयोजनीयता ।

अनुशंसित ग्रंथ	1. पाठालोचन के सिद्धान्त – डॉ. गोविन्द नाथ राजगुरू 2. पाठभाषा विज्ञान तथा साहित्य – सं. सुरेश कुमार एवं रामवीर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा। 3. पाण्डुलिपि विज्ञान डॉ. सत्येन्द्र – 4. साहित्य में बाह्य प्रभाव –केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा। 5. गवेषणा (पाठालोचन विशेषांक) – केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा । 6. भारतीय साहित्य (पाठालोचन विशेषांक) कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी विद्यापीठ, आगरा । 7. हिन्दी पाठानुसंधान – कन्हैया सिंह

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10X1=10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) - 3X3=9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) - 3X6=18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) - 3X11=33 अंक

M.A.Semester-IV

Paper-V

भाषा शिक्षण

Course outcome

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र ज्ञानार्जन कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में समर्थ हो सकेंगे–

CO-01- भाषा–शिक्षण की प्रक्रिया से परिचित होंगे।

CO-02- भाषायी कौशल सुनना, बोलना, पढ़ना लिखना आदि में दक्ष होंगे।

CO-03- हिन्दी भाषा और उसकी शब्दावली की निर्माण प्रक्रिया से अवगत होगे।

CO-04- भाषा विज्ञान के मूलाधार–व्याकारणिक कोटियों के ज्ञान में वृद्धि होगी।

CO-05- हिन्दी शब्द भण्डार में वृद्धि होगी।

CO-06- देवनागरीलिपि के उदभव विकास तथा उसकी वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।

CO-07- हिन्दी के अनुप्रयोगत्मक व्याकरण से परिचित होंगे।

CO-08- शैली विज्ञान के अध्ययन के माध्यम से रचनात्मक रहस्य को समझ सकेंगे।

CO-09- हिन्दी भाषा के विशिष्ट शब्दों का भारतीय भाषाओं के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

CO-10- हिन्दी भाषा के साहित्य का आकलन कर सकेंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO 8	CO 9	CO10
PO1										
PO2	✓		✓	✓	✓	✓	✓	✓		✓
PO3										
PO4										
PO5										
PO6										
PO7										
PO8										
PO9										
PO10										
PO11										

M.A.Semester-IV

Paper-V

COURSE CODE:HNDC 203 ECC/CB	COURSE TYPE:
COURSE TITTLE **भाषा शिक्षण**	
CREDIT: THEORY 6 PRACTICAL:NA	HOUR:90 THEORY:90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY:70+30 PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:
UNIT-1 18 HOURS	हिन्दी भाषा एवं शब्दावली के विविध रूप– तत्सम तद्भव, देशज, विदेशी, कृत्रिम । प्रतीक भाषा. मिथकीय भाषा, मूक–बधिर भाषा, ब्रेल लिपि प्रशिक्षण, भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर– प्रारंभिक कक्षाओं में, उच्च शिक्षा संस्थाओं में हिन्दीतर भाषियों, विभाषियों– विदेशियों के बीच द्वितीय भाषा के रूप में।
UNIT-2 18 HOURS	भाषा विज्ञान के मूलाधार – व्याकरण बोध, मानकवर्तनी का ज्ञान, शुद्ध वाक्य विन्यास, वैज्ञानिक उच्चारण, मानकीकृत देवनागरी लिपि का अभ्यास ।
UNIT-3 18 HOURS	हिन्दी शब्द भंडार – पर्यायवाची, समानार्थक, विलोम, गूढार्थ वाची, समश्रुत, अनेक शब्दों के लिए एक शब्दयुग्म,
UNIT-4 18 HOURS	देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य, देवनागरी की वैज्ञानिकता । कम्प्यूटीकरण की दृष्टि से संक्षेपण, संशोधन की आवश्यकता। हिन्दी का अनुप्रयोगात्मक व्याकरण।
UNIT-5 18 HOURS	शैली विज्ञान–प्रारंभिक परिचय। हिन्दी भाषा के विशिष्ट शब्दों का भारतीय भाषाओं के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन। हिन्दी भाषा का भविष्य ।

अनुशंसित ग्रंथ	1. भाषा शिक्षण –डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव 2 भाषा शिक्षण –सिद्धान्त एवं प्रविधि –मनोरमा गुप्त 3. भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान –प्र.स. व्रजेश्वर वर्मा 4. हिन्दी शिक्षण अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य – सं. सतीश कुमार रोहरा एवं सूरजमान सिंह 5 अन्य भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण –डॉ. महावीर शरण जैन 6. द्वितीय भाषा–शिक्षणः भाषा वैज्ञानिक विधि – मोहब्बत सिंह एवं मानसिंह चौहान 7 हिंदी संरचना का अध्ययन–अध्यापन–लक्ष्मीनारायण शर्मा 8. हिन्दी भाषण शिक्षण : डॉ. रंगनाथ पाठक 9. त्रुटि विश्लेषण सिद्धान्त और व्यवहार– रामकमल पाण्डेय 10. भाषाविज्ञान की अधुनातन प्रवृत्तियाँ और द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी भाषा शिक्षण शिवेन्द्र किशोर वर्मा 11. अद्यतन भाषा विज्ञान –शीतांशु शशिभूषण पाण्डेय 12 भाषा विमर्श– शीतांशु शशिभूषण पाण्डेय

अंक विभाजनः–

1– वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 10X1=10 अंक

2– अति लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 70 से 100) - 3X3=9 अंक

3– लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 200 से 250) - 3X6=18 अंक

4– दीर्घोत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 500 से 600) - 3X11=33 अंक